विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मप्र और छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

www.vijaymat.com | भोपाल, सोमवार, 14 अप्रैल 2025 | वर्ष- 10 | अंक- 119 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

ज्ञानामृत

नर हो न निराश करो मन को।
कुछ काम करो, कुछ काम करो।
जग में रहकर कुछ नाम करो।
▶▶ मैथिलीशरण गुप्त

न्यूज इन शॉर्ट

लेजर हथियार प्रणाली से ड्रोन-मिसाइल हासिल करने वाला चौथा देश बना भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने अब लेजर हथियार प्रणाली से दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराने की क्षमता हासिल कर ली है। डीआरडीओ की तरफ से पहली बार आंध्र प्रदेश के कुरनूल में इस 30 किलोवाट लेजर आधारित

हथियार प्रणाली की क्षमता का प्रदर्शन किया गया। इस प्रणाली का उपयोग करके फिक्स्ड विंग एयरक्राफ्ट, मिसाइल और स्वार्म ड्रोन (एक साथ आने वाले कई ड्रोन) को निशाना बनाया गया। ऐसा करके भारत अमेरिका, चीन और रूस सहित उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिन्होंने ऐसी क्षमता दिखाई है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने कहा कि यह सिर्फ एक शुरुआत है। उन्होंने कहा कि इस सफलता में कई डीआरडीओ प्रयोगशालाओं, उद्योग और शैक्षिणक संस्थानों ने मिलकर काम किया है।

आयात पर निर्भरता घटाएं, पर्यावरण हितैषी निर्माण पर फोकस करें: गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को उद्योग जगत से अपील करते हुए कहा कि वे आयात घटाने और स्वच्छ और हरित ऊर्जा पर फोकस करें। साथ ही उन्होंने भूकंप रोधी ढांचे और पर्यावरण हितैषी

इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण पर ध्यान देने की अपील की। नई दिल्ली में केमिकल्स एंड एलाइड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के वाइब्रेंट बिल्डकॉन 2025 के पहले संस्करण के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि आवास, इंफ्रास्ट्रक्चर, वाणिज्यिक रियल एस्टेट, रेलवे, एयरपोर्ट, हाईवे और ऊर्जा जैसे क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गोयल ने कहा कि 20 नए स्मार्ट औद्योगिक शहरों, 50 पर्यटक स्थलों में बेहतर पर्यटन बुनियादी ढांचे और 100 नए औद्योगिक प्लग-एंड-प्ले हब बनाने की योजना पर काम कर रही है।

यूक्रेन के सुमी शहर पर रूस का मिसाइल हमला, 21 की मौत

कीवी, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी शहर सुमी पर रूस के बैलेस्टिक मिसाइल हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 80 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन ने

यह जानकारी देते हुए कहा कि नागरिकों पर रूस का यह एक और घातक हमला है। मिसाइल हमला ऐसे वक्त में हुआ है जब एक शीर्ष अमेरिकी अधिकारी ने हाल ही में रूस की यात्रा की है। यूक्रेन का सुमी शहर रूस की सीमा के करीब है और पिछले कुछ हफ्तों से इस शहर को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। सुमी पर यह हमला अमेरिका के दूत स्टीव विटकॉफ की रूस के नेता व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के दो दिन बाद हुआ है। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी रूस से युद्ध खत्म करने का आग्रह करने के बावजूद किया गया है।

आंध्र प्रदेश: कैलासपट्टनम जिले की एक पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, आठ लोगों की मौत

अनकापल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में रविवार को एक पटाखा निर्माण इकाई में आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में मारने वाले

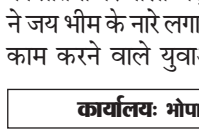

श्रमिकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। घटना में सात अन्य लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। दुर्घटना दोपहर करीब 12:45 बजे हुई और बचावकर्मी फिलहाल शवों को निकालने और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुटे हुए हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोग भी घटनास्थल पर पुलिस की मदद कर रहे हैं। राज्य की गृह मंत्री वी. अनिता ने बताया, इस अग्निकांड में दो महिलाओं सहित कुल आठ लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि घायलों को इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है।

गृहमंत्री शाह की उपस्थिति में नेशनल डेयरी विकास बोर्ड और मध्य प्रदेश डेयरी फेडरेशन के बीच एमओयू साइन

83 फीसदी किसानों के हित में मोहन सरकार का फैसला

अब नेशनल डेयरी विकास बोर्ड करेगा प्रदेश में सांची दुग्ध संघ का संचालन

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने कई बैठकों में गहन विचार विमर्च के बाद किसानों के हित में बड़ी फैसला लिया है। इसी के तहत रविवार को मध्य प्रदेश डेयरी फेडरेशन (एमपीसीडीएफ) और नेशनल डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के बीच एक अहम एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ, जिसके तहत अब प्रदेश की प्रसिद्ध सांची दुग्ध संघ का संचालन एनडीडीबी द्वारा किया जाएगा। अनुमान है कि इस एमओयू से राज्य के 83% किसानों को सीधा फायदा पहुंचेगा।

भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन में केन्द्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने साफ संदेश दिया कि राज्य सरकारें अगर नीतिगत स्तर पर मजबूत काम करें, तो वित्तीय संसाधनों की कमी कभी आड़े नहीं आएगी। अमित शाह ने कहा कि मध्य प्रदेश में दुग्ध उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। वर्तमान में राज्य में प्रतिदिन लगभग साढ़े पांच करोड़ लीटर दूध का उत्पादन होता है, जो देश के कुल उत्पादन का नौ प्रतिशत है। लेकिन इसमें से सिर्फ एक प्रतिशत से भी कम दूध सहकारी डेयरी के माध्यम से एकत्रित होता है। अमित शाह ने कहा कि, मध्यप्रदेश में कृषि, पशुपालन और सहकारिता तीनों क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। आज के अनुबंध के बाद प्रदेश के 83 प्रतिशत गांवों तक सहकारिता की पहुंच बढ़ेगी। हमें इनका शत प्रतिशत दोहन करने के लिए बहुत कार्य करने की आवश्यकता है।

सहकारी समितियां करेंगी पेट्रोल पंप का संचालन

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार ने प्राइमरी सोसायटी और पैक्स के लिए एक मॉडल बायलॉज बनाया। इसे सभी राज्यों की सरकारों ने स्वीकार किया है। पैक्स सोसायटियां निचले स्तर पर कई तरह के काम करते हैं। जल वितरण, पेट्रोल पंप संचालन, दवा दुकान, गैस बांटने से लेकर रेलवे तक के बिल बनाने तक के 300 तरह के काम पैक्स के माध्यम से किए जाएंगे। मध्य प्रदेश सरकार ने पैक्स के कम्प्युटराइजेशन में नंबर एक स्थान हासिल किया है। ऑनलाइन ऑडिट हो इसकी व्यवस्था हो गई है। किसानों के उत्पादन को विदेश बेचने के लिए एक्सपोर्ट कॉपरेटिव बनाया है। अगले 20 साल में अमूल से भी बड़े समूह बनने जा रहे हैं।

दुग्ध उत्पादन से बढ़ेगी किसानों की आय: सीएम मोहन

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश का दुग्ध उत्पादन अभी 9 फीसदी है। इसके बढ़ाकर 20 फीसदी करना है। मध्य प्रदेश में कृषि विकास दर के लिए देश में अलग पहचान बनी है। पशुपालन के क्षेत्र में भी मध्य प्रदेश बेहतर काम करेगी। आने वाले समय में मध्य प्रदेश सरकार किसानों से गाय का दूध खरीदेगी। दुग्ध उत्पादन से प्रदेश में किसानों की आय ही नहीं बढ़ेगी, बल्कि दुग्ध उत्पादन बढ़ने से परिवार में भी पोषकता मिलेगी। मध्य प्रदेश में सहकारिता से पेट्रोल पंप और दवाई की दुकान भी चलेगी। सहकारिता बहुत बड़ा क्षेत्र है। आने वाले समय में दूसरे क्षेत्रों को भी सहकारिता से जोड़ेंगे।

ये हुए अनुबंध

- इस दौरान केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) एवं मध्यप्रदेश डेयरी फेडरेशन (एमपीसीडीएफ) तथा दुग्ध संघ के मध्य अनुबंध का अदान प्रदान हुआ।
- कार्यक्रम में चिह्नित पैक्स के व्यवसाय वृद्धि के लिए स्वीकृत ऋण पत्र दिए गए।
- किसान क्रेडिट कार्ड का हुआ वितरण
- जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक रतलाम द्वारा पैक्स बांगरोद को धर्मकांटा स्थापना के लिये 15 लाख रुपये का प्रोजेक्ट ऋण वितरण और जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मंडला द्वारा पैक्स मेंहदवानी को कोदो-कुटकी की ग्रेडिंग प्लांट स्थापना के लिये 60 लाख रुपये का प्रोजेक्ट ऋण दिया गया।
- इसी प्रकार राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा पैक्स गोगांवा जिला खरगौन को सुपर मार्केट के लिए 120 लाख रुपये का प्रोजेक्ट ऋण पत्र दिया गया।

मप्र में 9 आईएएस के ट्रांसफर

चार जिलों के कलेक्टर बदले, उज्जैन कलेक्टर को हटाया, अब रोशन सिंह को मिली कमान

विजय मत, भोपाल

राज्य सरकार ने प्रदेश के नौ आईएएस अधिकारियों के नवीन पदस्थापना आदेश जारी किए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से जारी आदेश में नौ आईएएस अधिकारियों के ट्रांसफर किए गए हैं। इसमें चार जिले उज्जैन, अशोकनगर, हरदा और विदिशा के कलेक्टर बदले गए हैं। आदेश के अनुसार संयुक्त मुख्य निवार्चन पदाधिकारी एवं पदेन अपर सचिव को अपर सचिव, श्रम विभाग के साथ-साथ मध्यप्रदेश भवन एवं संनिर्माण कर्मकार मंडल तथा असंगठित शहरी/ग्रामीण कर्मकार कल्याण मंडल, भोपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसके अलावा उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह को हटा कर अपर सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग भोपाल भेजा गया है।

अंशुल गुप्ता विदिशा कलेक्टर बने

इसके अलावा जनसंपर्क विभाग के संचालक और मध्य प्रदेश माध्यम के कार्यपालक निदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे अंशुल गुप्ता को कलेक्टर विदिशा बनाया गया है। वहीं, इंदौर की अपर कलेक्टर ज्योति शर्मा को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत देवास नियुक्त किया गया है। देवास जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु प्रजापति को मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम, इंदौर का कार्यकारी संचालक बनाया गया है।

आदित्य सिंह को अशोकनगर की कमान

वहीं, अशोकनगर कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी को हटा कर सामान्य प्रशासन विभाग में अपर सचिव पदस्थ किया गया है। वहीं, कलेक्टर हरदा आदित्य सिंह को स्थानांतरित कर कलेक्टर अशोकनगर बनाया गया है। विदिशा कलेक्टर रोशन सिंह को उज्जैन कलेक्टर और भोपाल अपर कलेक्टर सिद्धार्थ जैन को कलेक्टर हरदा पदस्थ किया गया है।

इंदौर कलेक्टर को सिंहस्थ मेला का अतिरिक्त प्रभार

आदेश में जनजातीय कार्य विभाग के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा को अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान, भोपाल के मुख्य कार्यालय अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ सिंहस्थ मेला उज्जैन के मेला अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसके अलावा राज्य योजना आयोग के सदस्य सचिव एवं आर्थिक एवं सांख्यिकी आयुक्त ऋषि गर्ग को अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के संचालक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

नियमों का उल्लंघन, बेटियों को संपत्ति से वंचित करने की साजिश

गोदनामे पर सुप्रीम टिप्पणी: संपत्ति विवाद में एक पुराने गोदनामे को कोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के एक संपत्ति विवाद में एक पुराने गोदनामे को खारिज कर दिया है। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि यह गोदनामा जानबूझकर बनाया गया था ताकि बेटियों को उनके पिता की संपत्ति में हिस्सेदारी से वंचित किया जा सके। यह मामला भुनेश्वर सिंह नाम के व्यक्ति की संपत्ति से जुड़ा है, जिनकी दो बेटियां-शिव कुमारी देवी और हरमुनिया हैं। एक व्यक्ति अशोक कुमार ने दावा किया कि उन्हें भुनेश्वर सिंह ने 1967 में गोद लिया था और इस आधार पर वह उनकी संपत्ति में अधिकार रखते हैं। उन्होंने गोदनामा और एक फोटो अदालत में पेश किया था। लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट और अब सुप्रीम कोर्ट ने इस गोदनामे को खारिज कर दिया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि, हमने पूरी सुनवाई और दस्तावेजों से साफ है कि यह गोदनामा सिर्फ बेटियों को उनके हक से वंचित करने के लिए तैयार किया गया था।

ग्रामीण इलाकों में बेटियों को संपत्ति से बाहर करने की चाल... जस्टिस सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान कहा- हम जानते हैं कि ग्रामीण इलाकों में बेटियों को संपत्ति से बाहर करने के लिए इस तरह की गोद लेने की चालें चलती हैं। यह एक आम तरीका है बेटियों को उनका हक न देने का। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गोदनामा कानूनी रूप से अमान्य है और इसे खारिज करना बिल्कुल सही फैसला है। इलाहाबाद हाईकोर्ट और पहले राजस्व बोर्ड ने जो फैसला दिया था, वह पूरी तरह से विधिसंगत है।

क्या कहता है कानून

हिंदू दत्तक और भरण-पोषण अधिनियम, 1956 के तहत- यदि कोई पुरुष बच्चा गोद लेता है, तो उसकी पत्नी की सहमति अनिवार्य है। गोद लेने की वास्तविक रस्म यानी देने और लेने का प्रमाण होना चाहिए, सिर्फ फोटो या कथन से गोदनामा साबित नहीं होता। इस मामले में न तो सहमति थी, न रस्म का स्पष्ट प्रमाण। इसलिए गोदनामा अवैध माना गया।

कोयंबटूर में ईसाई पादरी पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण का आरोप, पॉस्को एक्ट में गिरफ्तार

कोयंबटूर, एजेंसी

तमिलनाडु के कोयंबटूर पुलिस ने एक ईसाई पादरी जॉन जेबराज (32) को दो नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया है। जॉन के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। धर्मोपदेश देता था। पुलिस के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब पीड़ित लड़कियों के माता-पिता ने कोयंबटूर सेंट्रल ऑल विमेन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की। शिकायत में कहा गया कि जॉन ने लगभग 11 महीने पहले कोयंबटूर के जी.एन. मिल्स इलाके में अपने घर पर आयोजित एक समारोह के दौरान 17 वर्षीय और 14 वर्षीय दो लड़कियों का यौन शोषण किया। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की और जॉन के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। जॉन की तलाश के लिए पुलिस ने एक विशेष बल का गठन किया। जांच के दौरान पता चला कि वह गिरफ्तारी से बचने के लिए तमिलनाडु-केरल सीमा पर मुन्नार इलाके में छिपा हुआ था।

ट्रंप के ताजा आदेश से अप्रवासियों की और बढ़ी मुश्किलें, अब 24 घंटे पहचान पत्र रखना हुआ जरूरी

वाशिंगटन, एजेंसी

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के नए नियम से अमेरिका में रह रहे अप्रवासियों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। दरअसल अब सभी अप्रवासियों को 24 घंटे अपने कानूनी दस्तावेज और पहचान पत्र साथ रखने होंगे। राष्ट्रपति ट्रंप का नया कार्यकारी आदेश अतिक्रमण से अमेरिकी लोगों की सुरक्षा 11 अप्रैल से लागू हो गया है। इसका उद्देश्य अमेरिका में रह रहे अवैध अप्रवासियों को पकड़ना और उन्हें निर्वासित करना है। अमेरिका में एलियन रजिस्ट्रेशन रिक्वायरमेंट कानून साल 1940 से मौजूद है, जिसके तहत अमेरिका में रहने वाले सभी अप्रवासियों को पंजीकरण कराना होता है, लेकिन अभी तक इस कानून का सख्ती से पालन नहीं हो रहा था। अब ट्रंप के नए कार्यकारी आदेश के बाद इस कानून का सख्ती से पालन किया जाएगा।

व्हाइट हाउस की सचिव कैरोलिन लेविट ने बयान जारी कर कहा है कि सभी अवैध अप्रवासी, जो 30 दिन से ज्यादा अमेरिका में रह रहे हैं, उन्हें खुद को संघीय सरकार के समक्ष पंजीकृत कराना होगा। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो अवैध अप्रवासियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और जुर्माना लगाकर निर्वासित कर दिया जाएगा।

डिजिटल अरेस्ट: वाइस चांसलर से ईडी अफसर बनकर ठगे 14 लाख, 2 अरेस्ट

अहमदाबाद, एजेंसी

ओडिशा के प्रसिद्ध बेरहामपुर विश्वविद्यालय की कुलपति गीतांजलि दास साइबर ठगी का शिकार हो गई। आरोपियों ने खुद को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का अधिकारी बताकर उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' में डाल दिया और 14 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गुजरात से गिरफ्तार किया है। घटना फरवरी महीने की है। 14 फरवरी से 22 फरवरी तक, वीसी गीतांजलि दास को लगातार कॉल कर यह दावा किया गया कि वे मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसी हैं और जांच के लिए उन्हें अपना सारा पैसा ट्रांसफर करना होगा। डर और भ्रम की स्थिति में आकर दास ने कुल 14 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। कुछ दिन बाद ठगों ने उन्हें 80 हजार रुपये वापस किए और भरोसा दिलाया कि बाकी रकम जांच पूरी होने के बाद लौटा दी जाएगी।

शेख हसीना, बहन रेहाना और भतीजी रिजवाना के गिरफ्तारी वारंट जारी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। भ्रष्टाचार के एक और मामले में पूर्व पीएम शेख हसीना, उनकी बहन शेख रेहाना और भतीजी व ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप रिजवाना सिद्दीकी समेत 50 अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुए हैं। ढाका मेट्रोपॉलिटन वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) द्वारा दायर तीन अलग-अलग आरोपपत्रों पर विचार करने के बाद यह आदेश जारी किया।

टैरिफ युद्ध: विदेशी निवेशकों ने अप्रैल में बाजार से निकाले 31 हजार करोड़ रुपये

मुंबई, एजेंसी। अमेरिका द्वारा कई देशों पर टैरिफ लगाए जाने और अमेरिका और चीन के बीच संभावित टैरिफ युद्ध को लेकर दुनियाभर के बाजारों में अस्थिरता का दौर चल रहा है। इस बीच अप्रैल माह में भारतीय बाजार से विदेशी निवेशकों ने 31,575 करोड़ रुपये निकाल लिए हैं। वहीं 21 मार्च से 28 मार्च के बीच छह ट्रेडिंग सेशन में करीब 30,927 करोड़ रुपये का निवेश भी आया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इस निवेश से मार्च में कुल निकासी घटकर 3,973 करोड़ रुपये रह गई। फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार से 34,574 करोड़ रुपये निकाले थे। जनवरी में तो विदेशी निवेशकों ने 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे। निवेशकों की धारणा में यह बदलाव वैश्विक वित्तीय बाजारों में अस्थिरता और गतिशीलता को दर्शाता है।

जय भीम पदयात्रा में मुख्यमंत्री साय बोले-

पवित्र ग्रंथ है संविधान की किताब

विजय मत, रायपुर

अंबेडकर जयंती से एक दिन पहले रविवार को रायपुर में जय भीम पदयात्रा निकाली गई। इस यात्रा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा और रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा शामिल हुए। यात्रा तेलीबांधा तालाब से शुरू होकर अंबेडकर चौक पहुंची। इस अवसर पर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माला चढ़ाई गई और नेताओं ने जय भीम के नारे लगाए। अलग-अलग क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले युवाओं को कार्यक्रम अवसर पर सम्मानित किया गया। इस दौरान यहां मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, भारत का संविधान हर नागरिक के लिए पवित्र ग्रंथ है, जो हमें गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार देता है। हमारा विशाल लोकतंत्र संविधान की मजबूत नींव पर खड़ा है और बाबा साहब इस ग्रंथ के शिल्पकार थे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि, मध्यप्रदेश के मऊ में जन्म लेकर कठिन संघर्षों के बाद बाबा साहब ने उच्च शिक्षा प्राप्त की और भारत जैसे विशाल लोकतंत्र को एक समावेशी और शक्तिशाली संविधान दिया।

विजय मत एंकर | 20 से कम उम्र के आर्थराइटिस और हड्डियों में दर्द की शिकायत वाले मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही

चिंतनीय : देश का हर पांचवां व्यक्ति विटामिन डी की कमी से जूझ रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

आहार और लाइफस्टाइल की गड़बड़ी ने कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को काफी बढ़ा दिया है। जो बीमारियां दो-तीन दशकों पहले तक 50-60 की उम्र के बाद देखी जाती थीं, उनका खतरा अब युवाओं में भी तेजी से बढ़ता जा रहा है। अब 20 की उम्र में भी हड्डियों से संबंधित समस्याओं के मामले काफी बढ़ गए हैं। अस्पतालों की ओपीडी में 20 से कम उम्र के आर्थराइटिस और

हड्डियों में दर्द की शिकायत वाले मरीजों की संख्या काफी तेजी से बढ़ती जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसके लिए आहार और लाइफस्टाइल में गड़बड़ी के साथ विटामिन-डी की बढ़ती कमी को प्रमुख कारण मानते हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि शहरीकरण, बढ़ते प्रदूषण और आधुनिक जीवनशैली जैसे कारकों के चलते विटामिन-डी की कमी वाले रोगियों की संख्या काफी तेजी से बढ़ती जा रही है। भारतीय अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध अनुसंधान परिषद (आईसीआरआईईआर) की ओर से प्रस्तुत आंकड़ों के मुताबिक भारत में हर पांच में से एक व्यक्ति में विटामिन-डी की कमी देखी जा रही है।

अध्ययन में क्या पता चला

साइंस नेचर जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत, पाकिस्तान, ट्यूनीशिया, अफगानिस्तान और अफ्रीकी देशों में कुल आबादी के लगभग 45 फीसदी लोग विटामिन डी की कमी से जूझ रहे थे। वहीं 2022 में भारत के लगभग 49 करोड़ लोग विटामिन-डी की कमी से ग्रस्त थे। स्वास्थ्य विशेषज्ञों की टीम ने कहा कि ये कमी सिर्फ हड्डियों की कमजोरी या फिर ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों के खतरे को बढ़ाने तक ही सीमित नहीं है, विटामिन-डी की कमी कई अन्य प्रकार की क्रॉनिक बीमारियों के खतरे को बढ़ा देती है। जिन लोगों में विटामिन-डी की कमी होती है उनमें समय के साथ मांसपेशियों की कमजोरी, थकान, अवसाद, दिल की बीमारियों, टाइप-2 डायबिटीज के साथ स्तन और प्रोस्टेट कैंसर का खतरा काफी बढ़ जाता है।

कार्यालय: भोपाल ■ शहडोल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़ ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ भिलाई

न्यूज इन शॉर्ट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जलियांवाला बाग नरसंहार स्मृति दिवस पर अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जलियांवाला बाग नरसंहार स्मृति दिवस पर सभी अमर शहीदों को शत-शत नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा है कि 13 अप्रैल 1919 को मानवता को शर्मसार करने वाला यह क्रूर नरसंहार भारतीय स्वतंत्रता अंदोलन का ऐसा अध्याय है, जिसने देशवासियों के हृदय में क्रांति की ज्वाला को और अधिक धधका दिया। उन्होंने कहा कि मां भारती की परतंत्रता की बेडियों को तोड़ने के लिए बलिदान हुए अमर आत्माओं को इस देश की माटी कभी विस्मृत नहीं कर सकेगी।

शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर सरकार ने बढ़ाई अनुग्रह राशि

भोपाल। राज्य सरकार ने शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर अनुग्रह राशि में 75000 की वृद्धि की है। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि राज्य सरकार पहले शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर मात्र 50 हजार रुपए की अनुग्रह उपादान राशि का भुगतान करती थी, लेकिन अब राज्य सरकार ने शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर अनुग्रह उपादान राशि 50,000 के स्थान पर 1,25,000 स्वीकृत की है। जो शासकीय सेवक की मृत्यु होने पर तत्काल उसके परिवार को दाह संस्कार करने के लिए दी जाएगी। मप्र कर्मचारी मंच सरकार के अनुग्रह उपादान राशि की वृद्धि करने के निर्णय पर सरकार को धन्यवाद ज्ञापित किया है, साथ ही मांग की है कि अनुग्रह उपादान राशि अनियमित कर्मचारियों की मृत्यु होने पर भी दाह संस्कार करने के लिए दी जाए।

छिंदवाड़ा को मिलेगा आध्यात्मिक सौभाग्य, पहली बार पधारेंगे शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा की धरती इस बार अध्यात्म की ऊर्जा से सराबोर होने जा रही है। द्वारका शारदा पीठ के पूज्य शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती, शंकराचार्य पद पर आसीन होने के बाद पहली बार नगर में पदार्पण करेंगे। यह ऐतिहासिक क्षण 17 अप्रैल को शाम 4 बजे आएगा, जब वे चौरई से नगर में प्रवेश करेंगे। 17 से 19 अप्रैल तक चलने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शंकराचार्य की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। नरसिंहपुर रोड स्थित नंदन हिल्स उनका विश्राम स्थल रहेगा। वहां प्रतिदिन शाम पांच बजे शंकराचार्यजी के प्रवचन होंगे, जो केवल धार्मिक उपदेश नहीं बल्कि जीवन को दिशा देने वाले विचार होंगे। शंकराचार्य का छिंदवाड़ा में यह पहला आगमन है, और इसी को ध्यान में रखते हुए नगर के श्रद्धालु, धार्मिक संस्थाएं व स्वयंसेवी संगठन भव्य स्वागत की तैयारियों में जुटे हैं। पूरे मार्ग को सजाने की योजना है, वहीं स्थानीय मंदिरों में विशेष पूजन और भजन संध्या की भी संभावना है। यह केवल एक धार्मिक कार्यक्र म नहीं, बल्कि छिंदवाड़ा की आध्यात्मिक पहचान का क्षण है। आयोजकों ने बताया कि यह समारोह सभी धर्मप्रेमियों के लिए खुला है और हर कोई इस अलौकिक अनुभव का साक्षी बन सकता है।

आंबेडकर जयंती पर महू आने लगे अनुयायी, बाबा साहब के नाम पर मोहन सरकार करेगी योजना शुरू

इंदौर। इंदौर के समीप महू में संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर की जन्मस्थली है। यहां हर साल 14 अप्रैल को उनके अनुयायी, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों से आते हैं। उनके आने का सिलसिला रविवार से शुरू हो गया। इंदौर में भी उनकी प्रतिमा को मेयर पुष्य मित्र भार्गव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने खुद साफ किया। आंबेडकर जयंती के मौके पर प्रदेश सरकार उनके नाम पर दुग्ध उत्पादन से जुड़ी एक योजना भी शुरू करेगी। प्रशासन का अनुमान है कि 14 अप्रैल सोमवार को महू में आंबेडकर जयंती के लिए एक लाख से ज्यादा अनुयायी आएंगे। उसके हिसाब से महू में तैयारियां कर ली गई हैं। अनुयायियों के लिए भोजन की व्यवस्था के अलावा टेंट और पेयजल और पंखे, कूलर के इंतजाम भी किए गए हैं। आंबेडकर जयंती का उत्सव 13 अप्रैल की रात से ही शुरू हो जाएगा। रात में आकर्षक आतिशबाजी होगी और बाबा साहेब को विशेष बैंड द्वारा सलामी दी जाएगी। इस कार्यक्र म को देखने के लिए भी हजारों लोग स्मारक स्थल पर जुटते हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव सोमवार सुबह दिल्ली से इंदौर आएंगे और महू में बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने जाएंगे। स्मारक स्थल को भी आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। इंदौर रेलवे स्टेशन से महू तक बसों का संचालन भी किया जा रहा है। बता दें, हर साल महाराष्ट्र के यवतमाल, सतारा, नासिक, मुंबई सहित कई शहरों से बाबा साहेब के अनुयायी हर साल महू आते हैं।

पेयजल संकट से निपटने के लिए नलकूप खनन के वेंडर बढ़ाये जाएंगे: सिंह

विजय मत, भोपाल

स्कूल शिक्षा, परिवहन एवं बालाघाट जिले के प्रभारी मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि गर्मी के मौसम को देखते हुए, ऐसी व्यवस्था करें कि जिले में कही पर भी पानी का संकट न हो। उन्होंने कहा कि जिले में नलकूप खनन के साथ ही मोटर पम्प और राइजिंग पाइप सहित सभी व्यवस्थाएं तैयार रखें। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में 15 वें वित्त से भी पेयजल के संबंध में व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नलकूप खनन के वेंडर की वर्तमान संख्या पर्याप्त नहीं है इसे बढ़ाया जाये। प्रभारी मंत्री सिंह शनिवार को बालाघाट जिले के मलाजखंड में पेयजल व्यवस्था संबंधित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में वर्तमान जल संकट सहित कई विषयों पर चर्चा हुई।

प्रभारी मंत्री सिंह ने कहा कि पेयजल, बिजली और जल संरक्षण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आने वाले 2 माह तक इन कार्यो पर लगकर कार्य करना आवश्यक है। प्रभारी मंत्री सिंह ने किसानों को धान के साथ मक्का की फसल लेने की सराहना की। उन्होंने कहा कि बिजली की 30 वर्षों की मांग को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना तैयार की जाये। मंत्री सिंह ने कहा कि पीएम आवास सहित आम नागरिकों के लिए रेत की व्यवस्था सुगमता से होनी चाहिए।बैठक में सांसद श्रीमती भारती पारधी, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार, विधायक सर्वसंजय उइके, मधु भगत, श्रीमती अनुभा मुंजारे, गौरव पारधी, विक्की पटेल, राजकुमार करांहे एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

मलाजखण्ड लायब्रेरी अच्छा प्रयास

प्रभारी मंत्री सिंह ने मलाजखंड नगर परिषद में बनाई गई लायब्रेरी का अवलोकन कर प्रयासों की सराहना की। प्रभारी मंत्री सिंह को अवगत कराया कि नगर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी लायब्रेरी स्थापित करने के प्रयासों जारी है। उन्होंने पीएम आवास हितग्राही दलम सिंह के घर चाय और कोदो कुटकी का स्वादलिया।

सामूहिक विवाह में हुए शामिल

प्रभारी मंत्री सिंह मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उन्होंने 285 नवदंपति के सुखमय और मंगलमय जीवन की कामना की। प्रभारी मंत्री ने प्रत्येक नवदंपति को 49-49 हजार रूपये के चैक प्रदान किये। प्रभारी मंत्री ने कहा कि अब हर विधानसभा क्षेत्र में हेलीपेड तैयार किया जायेगा। आपात स्थिति में ग्रामीणों के उपचार के लिये एयर लिफ्ट कर देश के बड़े अस्पतालों में उपचार कराया जायेगा।

खरगोन-सतना समेत कई जिलों में बारिश-ओले गिरे

मप्र कई शहरों में पारा 40 डिग्री के पार दो दिन बाद तेज गर्मी का दौर

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में कई जिलों में रविवार को भी ओले-बारिश का दौरा जारी रहा। खरगोन के महेश्वर में दोपहर में आधे घंटे तेज बारिश और ओले गिरे। टीकमगढ़, सतना और राजगढ़ में भी पानी गिरा। इस बीच कई जिलों में पारा 40 डिग्री के पार हो गया। मौसम विभाग के मुताबिक दो दिन बाद तेज गर्मी का दौर रहेगा।

रविवार को नर्मदापुरम में 40.2 डिग्री, खंडवा-धार में 40.1 डिग्री, खरगोन और नरसिंहपुर में 40 डिग्री रहा। वहीं, शाजापुर में 39.7 डिग्री, रतलाम में 39.5 डिग्री और गुना में पारा 39 डिग्री दर्ज किया गया।

बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 38.8 डिग्री, इंदौर में 38.6 डिग्री, ग्वालियर में 36 डिग्री, उज्जैन में 38.5 डिग्री और जबलपुर में पारा 37.4 डिग्री दर्ज किया गया।सबसे कम पचमढ़ी में 32.8 डिग्री रहा। नौगांव में 34 डिग्री, रीवा-सीधी में 34.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा

मध्यप्रदेश में मार्च से गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। इसी ट्रेंड के अनुसार अगले 3 महीने तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग ने मई तक 15 से 20 दिन हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। अप्रैल-मई में 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है। जिस तरह दिसंबर-जनवरी में सर्दी और जुलाई-अगस्त में सबसे ज्यादा बारिश होती है, उसी तरह गर्मी के दो प्रमुख महीने अप्रैल और मई हैं। इस बार मार्च के दूसरे पखवाड़े में पारा 41 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। मार्च महीने के आखिरी में ही टेम्प्रेचर बढ़ने लगता है, लेकिन इस बार ऐसा मौसम नहीं रहा। आखिरी 3 दिन वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की वजह से पारे में गिरावट हुई। अप्रैल के पहले पखवाड़े में मौसम का असर मिला-जुला रहेगा।

16 से लू का अलर्ट

मौसम विभाग भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, तीन सिस्टम एक्टिव होने से हल्की बारिश और आंधी का दौर रहेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ की सक्रि यता घटने के बाद तेज गर्मी का असर शुरू होगा। 15 अप्रैल को मौसम साफ होने का अनुमान है। 16 अप्रैल से लू चलने लगेगी।

महेश्वर में गिरे ओले, शिवपुरी में महिला की मौत

खरगोन जिले के महेश्वर में दोपहर 3:10 बजे गरज-चमक के साथ करीब आधे घंटे तक तेज बारिश हुई। इसके अलावा, सोमाखेड़ी समेत कुछ गांवों में ओले भी गिरे। शिवपुरी जिले के ग्राम टोडा पिछोर में शनिवार देर रात खेत में सो रही 55 वर्षीय महिला की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान कुसुमा लोधी के रूप में हुई है।

मऊगंज में बारिश-ओले से फसलों को नुकसान... *मऊगंज जिले में दोपहर में करीब एक घंटे तेज बारिश के साथ ओले गिरे हैं। खेत-खलिहानों में कटी रखी गेहूं और चने की फसल को भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। जिले के माजन मानिकराम, खटखरी, पतुलखी, ओवर, हटवा, कौआधान, शाहपुर, गौरी, बेलौही, चरैया, तेंदुआ, ढाबा, अर्जुनपुर, बिजौली, भोड़हा, बगौहा, बिरहा, भलूहा, धर्मपुरा, देवरा, चौहाना, पटहरा, बिछरहटा, डीही, बराव, कोलहा और खैरा समेत कई अन्य गांव प्रभावित हुए हैं।*

डॉ. शैलेश लुनावत को संजीवनी पुरस्कार से सम्मानित किया गया

विजय मत, भोपाल

प्रसिद्ध रेडियोलॉजिस्ट एवं समाजसेवी डॉ. शैलेश लुनावत को उनके निस्वार्थ समाज सेवा के लिए आज आयोजित लायंस इंटरनेशनल के क्षेत्रीय सम्मेलन में संजीवनी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. लुनावत को इस भव्य सम्मेलन में मुख्य अतिथि मुंबई से आए राजू मनवानी एवं लायंस इंटरनेशनल के क्षेत्रीय अध्यक्ष ज्ञानदेव मिश्रा द्वारा संजीवनी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संस्था ने डॉ. लुनावत द्वारा मानवतावादी सोच के माध्यम से किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की, जिसकी शुरुआत डॉ लुनावत ने कई दशकों पहले कर दी थी। डॉ. लुनावत को पुरस्कार मिलने पर लॉयन कमल भंडारी, डॉ. आरके चौरसिया, मनीष शाह, सुयश कुलश्रेष्ठ एवं अन्य ने बधाई दी। जैन धर्म का कड़ाई से पालन करने वाले और जैन समाज और चिकित्सा बिरादरी में विभिन्न पदों पर आसीन डॉ. लुनावत दशकों से निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करने के अलावा भोपाल में झुग्गी-झोपड़ियों और बाहर विभिन्न माध्यमों से स्वयंसेवकों की एक समर्पित टीम के साथ गरीबों और जरूरतमंदों की मदद कर रहे हैं। डॉ. लुनावत ने कोविड-19 के दौरान नियमित रसोई चलाने के अलावा प्रभावित रोगियों को चौबीसों घंटे चिकित्सा सहायता प्रदान की. वो एक साल पहले तब चर्चा में आए थे, जब उन्होंने मैहर और सतना रेलवे स्टेशन के बीच चलती ट्रेन में अन्य महिलाओं की मदद से एक गर्भवती महिला को बच्चे को जन्म देने में मदद की थी, जबकि 28 वर्षीय महिला को प्रसव पीड़ा हो रही थी और एम्बुलेंस के लिए 108 और रेलवे कर्मचारियों को कई बार फोन करने के बावजूद उसे तत्काल मदद उपलब्ध नहीं हो पाई थी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश संगठन महामंत्री, जिलाध्यक्ष ने पूर्व संध्या पर सफाई कर किया दीप प्रज्जवलित

बाबा साहब की जयंती पर नेतागण करेंगे प्रतिमा पर माल्यार्पण: रविन्द्र यति

विजय मत, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने रविवार को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर बोर्ड ऑफिस चौराहे स्थित बाबा साहब की प्रतिमा की साफ-सफाई कर दीप प्रज्जवलित किया। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी मुकेश सिंह चतुर्वेदी, जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति, महापौर मालती राय, पूर्व जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी, जिला उपाध्यक्ष शंकर मकोरिया, इन्द्रजीत सिंह राजपूत, राजेंद्र गुप्ता, राजकुमार विश्वकर्मा, अश्विनी राय, अनिल पचौरी, महेश मकवाना, मंडल अध्यक्ष निर्भय सिंह धाकड़, महेश शाक्य, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अजय पाटीदार, सुषमा बबीसा, निखिलेश मिश्रा, हरिओम औसारी, दीपक शर्मा उपस्थित रहे।

प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी ने अरेरा मंडल के वार्ड 49 बूथ क्रमांक 196 पर बाबा साहब की प्रतिमा की सफाई कर दीप प्रज्जवलित किए। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष सीमा सिंह, पूर्व विधायक ध्रुवनारायण सिंह पूर्व सांसद आलोक संजर, अरेरा मंडल अध्यक्ष अभिषेक पुरोहित, सुनील पांडे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हीरेंद्र बहादुर सिंह, जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र गुप्ता, जिला मंत्री राजकुमार विश्वकर्मा, अनिल पचौरी, अश्विनी राय, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अजय पाटीदार, शक्ति दुबे, शोभा नरवाडे, निखिलेश मिश्रा, दिव्यऋषि तिवारी, पार्षद बाबूलाल यादव, पार्षद अरविंद वर्मा सहित प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी, मोर्चा, प्रकोष्ठ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

आज नेतागण करेंगे डॉ. बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण-रविन्द्र यति-भाजपा के भोपाल जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति ने बताया कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति 14 अप्रैल को प्रातः 10 बजे बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर बोर्ड आफिस स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश शासन के मंत्रीगण, सांसद, विधायगण, जनप्रतिनिधि एवं जिला पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। यति ने बताया कि पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता भोपाल के प्रत्येक मंडल के बूथों पर बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सेवा कार्य करेंगे।

शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में आज रहेगी 3 घंटे की ओपीडी

विजय मत, भोपाल

सोमवार को शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं की ओपीडी प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक संचालित होगी। दो दिवस निरंतर अवकाश होने की स्थिति में द्वितीय अवकाश के दिन ओपीडी संचालित किए जाने के संबंध में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा निर्देश दिए गए हैं। 13 अप्रैल को रविवार और 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती का सार्वजनिक अवकाश है। लगातार दो दिन के अवकाश होने के कारण मरीजों को उपचार लेने में असुविधा न हो, इसे देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा 3 घंटे की ओपीडी संचालित रखने के निर्देश दिए जारी किए गए हैं। चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ को भी ड्यूटी पर उपस्थित रहने के लिए निर्देशित किया गया है।

खास-खबर

महापौर राय ने श्रमदान करते हुए स्वयं भी कचरा उठाया और अन्य लोगों को भी श्रमदान हेतु प्रेरित किया

महापौर ने किया स्वच्छता जागरूकता हेतु आयोजित गांव बस्ती चलो अभियान के तहत किया श्रमदान

विजय मत, भोपाल

महापौर मालती राय ने स्वच्छ सोच स्वस्थ्य जीवन की थीम पर स्वच्छता जागरूकता हेतु आयोजित गांव बस्ती चलो अभियान के तहत स्वच्छता हेतु श्रमदान किया और नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने एवं अपने स्वयं के व आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता हेतु श्रमदान करने हेतु प्रेरित भी किया।

महापौर मालती राय ने रविवार को गांव बस्ती चलो अभियान के तहत आयोजित 7 दिवसीय स्वच्छता अभियान में सम्मिलित होकर नरेला विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्र. 36 के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता हेतु श्रमदान भी किया और अन्य नागरिकों को भी अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने हेतु स्वच्छता की गतिविधियों में सक्रिय रूप से सहयोग करने व स्वच्छता कार्य हेतु श्रमदान करने हेतु आव्हान किया। इस दौरान महापौर राय ने श्रमदान करते हुए स्वयं भी कचरा उठाया और अन्य लोगों को भी श्रमदान हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

महापौर मालती राय ने नवजात शिशुओं व माताओं का गोद भराई कर किया सम्मान

भोपाल। महापौर मालती राय ने नवजात शिशुओं व उनकी माताओं का सम्मान गोद भराई कर किया। महापौर मालती राय ने रविवार को होशंगाबाद रोड स्थित हर हेल्थ सेंटर में नवजात शिशुओं व उनकी माताओं का सम्मान गोद भराई कर किया। इस अवसर पर महापौर राय ने माताओं एवं शिशुओं को स्वस्थ्य एवं दीर्घायु हेतु शुभकामनाएं भी प्रेषित की। इस अवसर पर हर हेल्थ क्लब व सुफल गर्भावस्था सपोर्ट ग्रुप के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में माताएं मौजूद थी।

दिल्ली जाने वालों के लिए बड़ी सौगात, नई सुपरफास्ट ट्रेन आज से शुरू

विजय मत, ब्यूरो, इंदौर

इंदौर के नागरिकों को रेलवे ने बड़ी सौगात दी है। राजस्थान और मध्य प्रदेश के पर्यटन/दर्शनीय स्थलों को बढ़ावा देने और सुगम आवागमन के उद्देश्य से रेलवे द्वारा नियमित रेल सेवा के रूप में यात्रियों को यह सुविधा दी गई है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रविवार 13 अप्रैल को डॉ. अम्बेडकर नगर एवं कोटा रेलवे स्टेशनों पर डॉ. अम्बेडकर नगर-कोटा- नई दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करेंगे।

ट्रेन नंबर 20155/20156 डॉ. अम्बेडकर नगर- नई दिल्ली-डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस ट्रेन को चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन का नियमित संचालन भारतीय संविधान निर्माता बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर उनकी जन्मस्थली 'महू' शहर के डॉ. अम्बेडकर नगर रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के बीच किया जाएगा। इसी तरह कोटा से ट्रेन नं. 02055 कोटा-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन और डॉ. अम्बेडकर नगर से 09355 डॉ. अम्बेडकर नगर - कोटा स्पेशल ट्रेन का शुभारंभ किया जाएगा। डॉ. अम्बेडकर नगर-कोटा-नई दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

इस नई रेल सेवा के आरंभ होने से राजस्थान की शिक्षा नगरी कोटा को देश की राजधानी नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश में स्थित महाकाल की नगरी उज्जैन, मध्यप्रदेश की औद्योगिक नगरी इंदौर एवं डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) से सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। राजस्थान एवं मध्य प्रदेश राज्यों के अंतर्गत आने वाले पर्यटन एवं तीर्थ स्थलों जैसे मथुरा, उज्जैन, भरतपुर, सवाई माधोपुर, कोटा, देवास एवं इंदौर के विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिससे दोनों राज्यों का आर्थिक एवं सामाजिक विकास होगा। इस नई रेल सेवा की सौगात से विद्यार्थियों, व्यापारियों, किसानों एवं आमजन को सीधा लाभ पहुंचेगा। राजस्थान एवं मध्य प्रदेश राज्यों के यात्रियों को देश की राजधानी नई दिल्ली के लिए सुरक्षित एवं सुगम यात्रा के लिए सीधी ट्रेन की उपलब्धता होगी।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा जेयन ऑफसेट वर्क्स, 119 इनारा हाऊस रायसेन रोड भोपाल-462023 म.प्र. से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित, संपादक-सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला मो.-8889977997
आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2015/66998, (*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। Email-vijaymat.bhopal@gmail.com

विक्रमोत्सव के दौरान एमपी टूरिज्म पेवेलियन और प्रदर्शनी का किया अवलोकन

संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के साथ करेंगे प्रदेश का विकास : डॉ. मोहन यादव

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विरासत के विकास के संकल्प को लेकर दिल्ली में विक्रमोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश की संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के साथ विकास की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महानाट्य मंचन के मुख्य अतिथि केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा का स्वागत करते हुए कहा कि नड्डा मध्यप्रदेश के दामाद होने के नाते उनका प्रदेश से विशेष प्रेम और लगाव है। नड्डा

के मार्गदर्शन में प्रदेश विकास की राह पर अग्रसर है। सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का जब भी मंचन हुआ है, नड्डा ने हमेशा अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि सम्राट विक्रमादित्य ने शक और हूण जैसे आक्रांताओं को परास्त कर सुशासन स्थापित किया। भगवान राम के बाद सम्राट विक्रमादित्य का काल विनम्रता से शासन करना सिखाता है। सम्राट विक्रमादित्य जैसे महानायक इतिहास नहीं बनते, इतिहास बनाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात दिल्ली के लाल किले में विक्रमोत्सव के दौरान चित्र प्रदर्शनी और एम पी पेवेलियन के अवलोकन के दौरान मीडिया से कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य के महानाट्य के मंचन के साथ सरकार की जनहितैषी और कल्याणकारी योजनाओं, संस्कृति और पर्यटन की जानकारी के साथ प्रदेश में निवेश के अवसरों को प्रदर्शित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ उप मुख्यमंत्री द्वय जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ल, संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी के साथ गणमान्य नागरिक और समाजसेवी थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रमादित्य क़ालीन पुरातात्विक मुद्रा मुद्रांक, बृहत्तरभारत के सांस्कृतिक वैभव, मध्यप्रदेश में पर्यटन की संभावनाओं, प्रदेश में निवेश तथा रोज़गार सृजन के अवसरों में लोकव्यापी विस्तार के प्रयासों पर केंद्रित प्रदर्शनियो का अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलाकार संतोष से उत्पाद खरीद कर बढ़ाया हौसला... *मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अवलोकन के दौरान मंडला से खजूर शिल्प के उत्पादों का भी अवलोकन किया। कलाकार संतोष खड़से ने अपने उत्पादों के बारे में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया कि खजूर की पत्तियों से सजावट और घरेलू उपयोग के लगभग 200 डिजाइन और उत्पादों को बनाया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से ही उसके उत्पादों का राजधानी दिल्ली में प्रदर्शित और बिक्री होना संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलाकार संतोष खड़से की कला की सराहना की और स्वयं एक पुष्प खरीदते हुए एक हजार रुपए उत्साहवर्धन स्वरूप दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्रिमंडल और दिल्ली के मंत्रि-परिषद के सदस्यों का विक्रमोत्सव में भाग लेकर हौसला बढ़ाने के लिए आभार माना। साथ ही दिल्ली में महान सम्राट विक्रमादित्य के गौरवशाली इतिहास को प्रदर्शित करने के लिए संस्था विशाला सांस्कृतिक एवं लोकहित समिति और कलाकारों का अभिनंदन भी किया।*

तेजी से कम हो रहा नदियों का पानी

मप्र में मंडरा रहा जल संकट

विजय मत, भोपाल

गर्मी की शुरुआत में ही मप्र की प्रमुख नदियों का पानी तेजी से कम हो रहा है। नदियों का सूखना एक चिंताजनक संकेत है। क्योंकि नदियों में पानी की कमी के कारण प्रदेश में जल संकट की स्थिति बन सकती है। यह स्थिति तब है जब नदियों को सूखने से बचाने और सालभर पानी से लबालब बनाए रखने के लिए राज्य सरकार कई जतन कर रही है। इसके लिए नदियों को जोडने वाले प्रोजेक्ट्स चलाए जा रहे हैं। केन और बेतवा नदियों को जोड़ा जा रहा है जिससे प्रदेश का बुंदेलखंड इलाका हमेशा के लिए जलसंकट से मुक्त हो जाएगा। वहीं दूसरी तरफ

अत्यधिक जल दोहन और अवैध रेत उत्खनन के कारण नदियों के सूखने का खतरा बढ़ गया है।

जानकारी के अनुसार इस गर्मी में प्रदेश में 30 से अधिक नदियों पर सूखने का खतरा मंडरा रहा है। 3 लाख 8 हजार 245 वर्ग किमी क्षेत्र में बहने वालीं नर्मदा, बेतवा, सोन, तापी, चंबल, सिंध, माही, पार्वती, धसान, केन, कूनो, क्षिप्रा जैसी नदियों से अत्यधिक जल दोहन और अवैध रेत उत्खनन के कारण यह खतरा पैदा हुआ है।

अवैध खनन से टूट रही नदियों की सांस

जानकारों का कहना है कि मप्र में नदियों की बदहाली की सबसे बड़ी वजह रेत का अवैध खनन है। इस कारण प्रदेश की सात प्रमुख नदियों की 150 से अधिक सहायक नदियों की धारा फरवरी-मार्च में ही टूट गई थी। गुणवत्तायुक्त रेत की वजह से बेतवा, नर्मदा, सोन, सिंध, पार्वती और चंबल पर रेत माफिया का कब्जा है। कड़े नियम न होने और अवैध उत्खनन पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से रेत माफियाओं के हौंसले बुलंद हैं। जल शक्ति मंत्रालय की रिपोर्ट में मध्यप्रदेश के 317 विकासखंडों में से 26 को जल-शोषण की दृष्टि से अत्यधिक श्रेणी में रखा गया है। 2020-21 की ग्राउंड वाटर ईयरबुक के मुताबिक, प्रदेश में 63.24 प्रतिशत स्थानों पर भूमिगत जल स्तर गिरा है।

इन नदियों पर मंडरा रहा संकट

मप्र में बहने वाली नदियों का जल प्रवाह धीरे-धीरे कम हो रहा है। 1990 से अब तक प्रदेश की आधा दर्जन नदियों के प्रवाह में भारी कमी आई है। जबकि कुछ नदियां तो इस मौसम में सूख रही है। नदियों के संरक्षण और जल प्रवाह को निरंतर रखने के लिए सरकार ने लिंक परियोजनाएं भी शुरू की, लेकिन कोई खास फायदे नहीं हुए। महू-इंदौर से इटावा तक 843 किमी लंबी चंबल नदी की मुरैना के पास धारा कमजोर पड़ गई है। पार्वती नदी जो आष्टा सीहोर से पाली श्योपुर तक 383 किमी लंबी है कि श्योपुर के पास धारा कम हो गई है। कारी नदी बेवलपुर-शिवपुरी से अंबाह-मुरैना तक 200 किमी लंबी है इसका मुरैना में बहाव घटा है। सिंध नदी सिरोंज से जालौन तक 470 किमी क्षेत्र में बहती है इसकी धारा टूटने लगी है। बावनथड़ी नदी सिवनी से निकलती है यह भी दम तोड़ रही है। तमस नदी मैहर और सतना से निकलकर सूखने की कगार पर है। इंदौर की कान्ह नदी अब नाला बन गई है। इसका पानी शिप्रा तक नहीं पहुंचता है। नर्मदा नहीं अमरकंटक से खंभात की खाड़ी तक 1312 किमी नदी है। यह नदी रेत माफिया के शिकंजे में है।

न्यूज इन शॉर्ट

नर्सिंग कॉलेजों की फर्जी रिपोर्ट बनाने वाले 70 डॉक्टरों को आरोप पत्र

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने मध्य प्रदेश के 66 नर्सिंग कॉलेजों को अपात्र घोषित किया है। इन मेडिकल कॉलेज की फर्जी जाँच रिपोर्ट बनाने वाले डॉक्टरों को आरोप पत्र जारी करने का निर्णय सरकार ने लिया है। मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सभी दोषी डॉक्टरों को आरोप पत्र जारी करने तथा 15 दिन के अंदर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। आरोप पत्र जारी होने के 15 दिन के अंदर जवाब नहीं मिलने पर निलंबन की कार्यवाही करने का निर्देश जारी किया है। जो डॉक्टर जवाब दे देंगे, उनके आरोप पत्र और दिए गए जवाब की समीक्षा के बाद दोषी डॉक्टर पर कार्रवाई की जाएगी।

कूलर के पास बेहोश मिली महिला की मौत, करंट लगने की आंशका

भोपाल। बिलखिरिया थाना इलाके में स्थित कोकता ट्रांसपोर्ट नगर में कूलर के पास घर में कुलर के पास बेहोशी की हालत मिली महिला की मौत हो गई। परिवार वालो ने पुलिस को बताया है की जब उसे कूलर के पास बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ देखा गया था उस समय उसके हाथ में कूलर का प्लग फंसा हुआ था। थाना पुलिस ने बताया की कोकता ट्रांसपोर्ट नगर में रहने वाली रचना बाई अहिरवार पत्नी पर्वत सिंह अहिरवार (32) घरेलू महिला थी। शनिवार सुबह परिवार के सभी सदस्य अपने-अपने काम में व्यस्त थे। पति पर्वत सिंह घर के बाहर था। करीब 9 बजे जब वह अंदर के कमरे में गया तो उसे पत्नि रचना बाई कूलर के पास बेसुध पड़ी नजर आई। उसके हाथ में कूलर का प्लग फंसा हुआ था, और आसपास कूलर का पानी फैला हुआ था। परिवार वाले उसे फौरन ही इलाज के लिये निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने शुरुआती चेकअप के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस का कहना है की महिला को करंट कैसे लगा इसकी जॉच की जा रही है।

तेज रफ्तार बेकाबू कार रोड से उतरकर गहरे गड्ढे में जाकर पलटी, मैकेनिक की मौत

भोपाल। ईंटखेड़ी थाना इलाके में स्थित न्यू भोपाल बायपास रोड पर एक तेज रफ्तार कार अचानक बेकाबू होकर सड़क से नीचे उतरने के बाद करीब 8 फिट गहरे गड्ढे में जाकर पलट गई। हादसे में कार चालक को गंभीर चोट आई। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसने दम तोड़ दिया। मृतक युवक मैकेनिक शॉप से काम करके वापस घर लौट रहा था। पुलिस के अनुसार, ईंटखेड़ी के सतलौन में रहने वाला रिहान अली (18) बायपास पर एक मैकेनिक की दुकान पर काम करता था। 10 अप्रैल की रात करीब 11.30 बजे वह दुकान पर ठीक होने आई एक कार लेकर घर के लिए निकला था। इस दौरान उसके साथ एक हेल्पर भी था। कार रिहान चला रहा था। न्यू बायपास रोड पर पहुंचा तो उसने अपनी कार की रफ्तार बढ़ा दी, जिससे कार बेकाबू होकर सड़क से उतर कर पलट गई। हादसे में उसके सिर और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई थी। रिहान और उसके साथ मौजूद युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान रिहान की हालत लगातार नाजूक होती गई, आखिरकार बीते दिन उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंपते हुए आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

घर के बाहर खड़ी कारों में तोड़फोड़ करने वालो की तलाश में सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

भोपाल। कोहेफिजा थाना इलाके में घर के बाहर खड़ी कारो में तोड़फोड़ करने वाले अज्ञात बदमाशो की पहचान जुटाने के लिये पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है की फुटेज के आधार पर जल्द ही आरोपियो को दबोच लिया जायेगा। इसके बाद ही पता चल सकेगा की बदमाशो ने किस रंजिश के चलते उत्पात मचाया था। जानकारी के मुताबिक खुशीलाल लेवा (48) ने पुलिस को बताया की वह ओम शिवनगर नयापुरा लालघाटी में रहते हैं, और करोंद चौराहा पर खुली चाय की दुकान चलाते हैं। शुक्रवार रात वह घर में सो रहे थे, अचानक रात करीब 1 बजे कांच टूटने की आवाज आने पर उनकी नींद खुली और उन्होनें बाहर आकर देखा। घर के बाहर देखा तो उनकी और पड़ोसी अक्षय सहित अन्य पड़ोसी पंकज शर्मा की कारो के पास दो-तीन युवक खड़े होकर गालीगलौज कर रहे थे, तीनों आरोपी उन तीनो की कारो के कांच तोड़ चुके थे। खुशीलाल ने उनकी तरफ बढ़ते हुए तीनों को आवाज लगाई तो वह वहॉ से भाग गये।

राजधानी में इंसानियत फिर हुई शर्मसार

युवक की संदिग्ध हालात में मौत, पत्नि ने कहा कुत्ते के काटने से गई जान

- बच्चों के साथ घंटों तक पति के शव के पास बैठी रही, नहीं मिली मदद

विजय मत, भोपाल

राजधानी में एक बार फिर मानवता को शर्मसार करने वाली वाली घटना सामने आई है। कोहेफिजा थाना इलाके में एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसकी पत्नि बच्चो के साथ कई घंटो तक पति के शव के पास बैठी रही, लेकिन उसे कोई मदद नहीं मिली। हालांकि बाद में जागरुक लोगो के प्रयास से इसकी सूचना सोशल मीडिया की मदद से पुलिस तक पहुंचाई। इसके बाद शनिवार-रविवार की दरमियानी रात कोहेफिजा पुलिस ने शव को पीएम के लिये हमीदिया अस्पताल मर्चुरी में रखवाते हुए उसके परिवार वालो को खबर दी। मृतक की पत्नि का कहना है कि पति की मौत कुत्ते के काटने से हुई है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मूल रूप से सागर का रहने वाला बबलू राणा पुत्र किशोरी राणा (32) करीब एक साल पहले पत्नी बच्चों के साथ काम करने के लिये भोपाल आया था। फिलहाल वो मेहनत-मजदूरी करते हुए परिवार के साथ सिंगारचोली ब्रिज के नीचे अन्य मजदूर परिवारो के साथ झुग्गी बनाकर रह रहा था। उसकी पत्नि का कहना है की बीते दिनों एक कुत्ते ने पति को काट लिया था। इसके बाद से ही उनकी तबीयत खराब रहने लगी थी। बाद में वह अजीब-अजीब आवाजें निकालने लगे थे। शनिवार रात को बबलू के मुंह से फैन निकलने लगा इससे पहले वह हॉस्पिटल जा पाते थोड़ी देर में ही उनकी मौत हो गई। पति की मौत के बाद उसकी पत्नी कई घंटो तक दो मासूम बच्चो के साथ पति के शव के पास बैठी रही। इस दौरान वहॉ से काफी लोग निकले लेकिन किसी ने उनकी परेशानी को जानना उचित नहीं समझा। शनिवार देर रात मामले ने तूल पकड़ा इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ इसके बाद हादसे की सूचना पुलिस तक पहुंची।

दो दिन से लापता युवक का शव जंगल में पेड़ पर लटका मिला

भोपाल। देहात क्षेते के सूखीसेवनिया इलाके में दो दिन से लापता युवक का शव पास ही जंगल में पेड़ पर लटकी मिलने से सनसनी फैल गई। शुरुआती जॉच के आधार पर पुलिस इसे आत्महत्या मानकर मर्ग कायम करते हुआ आगे की जांच कर रही है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार संजय गौड़ पिता कालूराम गौड़ (20) एकता नगर झुग्गी सुखी सेवनिया में रहता था। परिवार वालो ने बताया की संजय मानसिक रुप से काफी कमजोर था, और अक्सर बिना बताए घर से लापता हो जाता था। पिता ने पुलिस को बतायसा की 10 अप्रैल को वह निजी काम के चलते सिरोंज चले गए थे। शुक्रवार रात वह वापस लौटे तब परिवार वालो ने उन्हें बताया की उनके जाने के बाद से ही संजय भी एक बार फिर बिना बताये कहीं चला गया जिसकी वह खोजबीन कर रहे है, लेकिन अभी तक उसकी कोई जानकारी नहीं मिली है। अगली सुबह परिवार वालो ने एक बार फिर संजय की तलाश शुरु की और झुग्गी से कुछ दूरी पर लगे जंगल में पहुंचे तो वहॉ उन्हें संजय का शव गमछे के सहारे पेड़ पर लटका नजर आया।

5 लाख कैश और बुलेट की डिमांड पूरी न होने पर रेलकर्मी मंगेतर ने शादी से किया इंकार

मंगेतर सहित भाई- बहन के खिलाफ मामला दर्ज

विजय मत, भोपाल

महिला थाना पुलिस ने ऐशबाग निवासी युवती की शिकाय पर उसके रेलकर्मी मंगेतर सहित उसके भाई, बहन के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का प्रकरण दर्ज किया है। पीड़िता का आरोप है, कि अगले महीने उनकी शादी होना तय थी, जिसकी सारी तैयारियां भी हो चुकी थी। लेकिन शादी से पहले मंगेतर दहेज में पांच लाख नकद और बुलेट की मांग करने लगा। अचानक की गई डिमांड को पूरा करने में उसके परिवार वालो ने असर्थता जताते हुए उन्हें समझाइश देने का प्रयास किया लेकिर मंगेतर और उसके परिवार वाले अपनी मांग पर अड़े रहे और रिश्ता तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, 29 वर्षीय युवती ने अपनी शिकायत में बताया की वह मूलरूप से जिला सागर की रहने वाली है, और यहां ऐशबाग क्षेत्र में किराए से रहती है। उसकी सगाई बीना में रहने वाले रेलकर्मी सुरेश कुशवाह से 17 जनवरी 2025 को हुई थी, और शादी अगले माह मई में होना तय हुआ था। युवती के घर में शादी की तैयारी जोर-शोर से जारी थी, वहीं मैरिज गार्डन बुक करने से लेकर कैटरिंग बुकिंग और जरूरी सामान की खरीददारी भी कर ली गई थी। इधर सगाई के बाद युवती और सुरेश के बीच मोबाइल पर बातीचत होने लगी थी। आरोप है की बीते दिनो बातचीत के दौरान सुरेश ने युवती से कहा कि उसके बड़े भाई भूपेन्द्र कुशवाह और बहन रेखा दहेज में 5 लाख नगद और बुलेट की मांग कर रहे हैं। जब युवती ने सुरेश से कहा कि सगाई के समय तो ऐसी कोई डिमांड नहीं थी, साथ ही युवती ने कहा की शादी से पहले अचानक इतनी बड़ी डिमांड को पूरा करना उसके परिजनों के लिये मुश्किल है। लेकिन मंगेतर के परिवार वाले अपनी मांग पर अड़े रहे। आखिरकार मार्च माह के आखिर में लड़के वालो ने रिश्ता तोड़ दिया। इसके

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने किया वार्ड क्र. 28 के सिद्धेश्वरी दुर्गा मंदिर परिसर एवं खेल मैदान की साफ-सफाई हेतु श्रमदान

विजय मत, भोपाल

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने वार्ड क्र. 28 के अंतर्गत सिद्धेश्वरी दुर्गा मंदिर परिसर एवं खेल मैदान आदि की साफ-सफाई हेतु श्रमदान किया। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने रविवार को वार्ड क्र. 28 के गीतांजलि काम्प्लेक्स स्थित सिद्धेश्वरी दुर्गा मंदिर परिसर में स्वच्छता हेतु श्रमदान किया। इस दौरान अध्यक्ष सूर्यवंशी ने झाड़ू लगाकर कचरा साफ किया और मंदिर तथा मंदिर परिसर की धुलाई भी की। गांव चलो बस्ती चलो अभियान के तहत श्रमदान करते हुए अध्यक्ष सूर्यवंशी ने अन्य नागरिकों को भी स्वच्छता हेतु प्रोत्साहित भी किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकगण मौजूद थे।

पूर्व डीजीपी की शिकायत पर केयर टेकर व एजेंसी संचालक के खिलाफ मामला दर्ज

भोपाल। अरेरा कॉलोनी में रहने वाले एमपी के पूर्व डीजीपी एचएम जोशी (99) ने शिकायत पर पुलिस केयर टेकर रफीक खान और एजेंसी संचालक शक्ति खरे के खिलाफ जान से मारने की धमकी व अमानत में खयानत का केस दर्ज कर लिया है। वहीं पुलिस अब उन एंजेसियों की जांच करने की तैयारी में है, जो केयर टेकर और अन्य कामों को सुविधा उपलब्ध कराने के कार्य करती है। इसके साथ ही सुरक्षा एजेंसियों में काम करने वाले कर्मचारियों की पुलिस वेरिफिकेशन भी चेक करेगी। अगर कोई कर्मचारी बिना पुलिस वेरिफिकेशन के पाया जाता है, तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस जांच में सामने आया है कि रचना एजेंसी इससे पूर्व में भी चार-पांच केयर टेकर अलग-अलग लोगों को उपलब्ध करा चुकी है।

बीडीसीए अंडर 18 भोपाल डिवीजन टीम घोषित, प्रतीक शुक्ला बने कप्तान

डॉ. एसएम खान ट्राफी के मुकाबले 15 से भोपाल में

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित होने वाली डा. एसएम खान ट्राफी (50 ओवर) अंडर 18 क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए भोपाल डिवीजन की टीम रविवार को घोषित कर दी गई है। भोपाल डिवीजन के सचिव शांति कुमार जैन ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। प्रतीक शुक्ला को कप्तानी सौंपी गई है। भोपाल को ग्रुप ए में जबलपुर, सागर और चंबल टीमों के साथ रखा गया है। ग्रुप ए के मुकाबले राजधानी के फेथ क्रिकेट क्लब मैदान पर 15 से 17 अप्रैल तक खेले जाएंगे। 15 अप्रैल को भोपाल और सागर तथा चंबल और जबलपुर के बीच मुकाबला खेला जाएगा। 16 अप्रैल को भोपाल और जबलपुर तथा चंबल और सागर के बीच मुकाबला खेला जाएगा। 17 अप्रैल को भोपाल और चंबल तथा जबलपुर व सागर के बीच मुकाबला होगा। इस ग्रुप से दो टीमे नाकआउट में प्रवेश करेगी। सेमीफाइनल 20 को तथा फाइनल 21 अप्रैल को खेला जाएगा। वहीं ग्रुप बी के मुकाबले नर्मदापुरम में खेले जाएंगे, इस ग्रुप में रीवा, नर्मदापुरम व उज्जैन डिवीजन शामिल है। ग्रुप सी के मुकाबले शहडोल में खेले जाएंगे। इस ग्रुप में शहडोल, इंदौर व ग्वालियर डिवीजन शामिल है। बी और सी ग्रुप से एक एक टीम नाक आउट में प्रवेश करेगी।

भोपाल टीम इस प्रकार है - प्रतीक शुक्ला कप्तान, रुद्र प्रताप सिंह उपकप्तान, आयुष अवस्थी, ओजस शुक्ला, आलिफ हसन, संकल्प पाराशर, युवराज सिंह, प्रथम सेंगर, नीरज ग्रोवर, आर्यन साहनी, आदित्य राज सिंह तोमर, रबजीत सिंह मल्ही, द्रोण श्रीवास्तव, हिमांश मेवाड़ा और आर्यमन चौहान। अतिरिक्त खिलाड़ी - कुश राजपूत, मलय श्रीवास्तव, रिदय माहेश्वरी, हर्षित शर्मा, दिव्यांश बंडोलिया।

खास-खबर | सरकारी स्कूलों के बच्चें को मिलेगी प्रवेश में प्राथमिकता, सीटें खाली होने पर अन्य बच्चें को मिलेगा प्रवेश

सीएम राइज में तीन किमी के दायरे में आने वाले विद्यार्थियों को मिलेगा प्रवेश

विजय मत, भोपाल

प्रदेश के सीएम राइज स्कूलों में अब तीन किमी के दायरे में आने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश मिलेगा। प्रवेश में पहली प्राथमिकता सरकारी स्कूलों के बच्चों की रहेगी। इसके बाद सीटें खाली होने पर अन्य बच्चों को प्रवेश दिया जाएगा। शिक्षा विभाग का यह नियम सिर्फ उन स्कूलों में लागू होगा, जिनकी बिल्डिंग बनकर तैयार हो गई हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने सत्र 2025-26 के लिए सीएम राइज स्कूलों में प्रवेश की गाइडलाइन जारी कर दी है। प्रदेश में संचालित सीएम राइज स्कूल (सांदीपनी विद्यालय) में एडमिशन के लिए वर्ष 202526 के लिए गाइडलाइन जारी की है। यह गाइडलाइन नये भवन में संचालित व पुराने भवनों में चल रहे सीएम राइज स्कूलों को लिए अलग-अलग रहेगी। नये भवनों में

संचालित होने वाले सीएम स्कूल की सीमा में 3 किमी के दायरे में आने वाले छात्रों को ही एडमिशन मिलेगा।

पहले चरण में सिर्फ उन्हीं बच्चों को एडमिशन दिया जाएगा, जो या तो एक किलोमीटर की परिधि में रहते हों या फिर पढ़ते हों। इसके बाद 2 किमी और फिर 3 किमी की परिधि वाले छात्रों को सीएम राइज स्कूलों में प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश में पहली प्राथमिकता सरकारी स्कूलों के बच्चों को मिलेगी। इसके बाद सीटें खाली होने पर अन्य बच्चों को प्रवेश दिया जाएगा। गाइडलाइन में बताया गया है कि मध्य प्रदेश में अभी 16 सीएम राइज स्कूल नवनिर्मित बिल्डिंग में संचालित हैं। कुछ स्कूलों के भवन जून तक हैंडओवर कर दिए जाएंगे। डीपीआई ने ऐसे स्कूलों के लिए भी दिशा निर्देश जारी विभाग ने एडमिशन में आरटीई (शिक्षा का अधिकार अधिनियम) के नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। गाइडलाइन में कहा गया है कि सभी सीएम राइज स्कूलों के प्राचार्य कोशिश करें कि आसपास रहने वाले और सरकारी स्कूलों के बच्चों को ही प्रवेश मिले। उपलध सीटों से ज्यादा आवेदन आने पर पारदर्शिता के लिए लॉटरी पद्धति अपनाएं।

सीएम राइज स्कूलों में पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर एडमिशन होंगे। इसके लिए बच्चों का इंट्रेंस टेस्ट नहीं होगा। एडमिशन के लिए स्कूल से आवेदन फार्म लेना होगा। आवेदन जमा होने के बाद स्कूल प्रबंधन की ओर से एडमिशन के लिए चयनित छात्रों की सूची प्रकाशित की जाएगी। पंजीकृत और चयनित विद्यार्थियों की सूची, वेटिंग लिस्ट के साथ स्कूल के नोटिस बोर्ड और वेबसाइट पर प्रकाशित होगी।

एम्स भोपाल के नेत्र ओपीडी में दो नई रिफ्रेक्शन यूनिट्स की शुरुआत

विजय मत, भोपाल

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में नेत्र विभाग द्वारा नेत्र ओपीडी में दो नई रिफ्रैक्शन यूनिट्स की शुरुआत की गई। इसका उद्देश्य नेत्र रोगियों को बेहतर, त्वरित और उच्च गुणवत्ता वाली जांच सेवाएं उपलब्ध कराना है। इन इकाइयों की स्थापना से नेत्र जांच की प्रक्रिया अधिक सुलभ और प्रभावी हो सकेगी, जिससे आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। नई रिफ्रैक्शन यूनिट्स के माध्यम से अपवर्तन सेवाएं (जैसे दृष्टि परीक्षण और चश्मे या कॉन्टैक्ट लेंस की सलाह), कॉर्निया टोपोग्राफी (जिससे कॉर्निया की सतह का विस्तृत विश्लेषण संभव होता है), और हेस स्क्रीनिंग (आंखों की मांसपेशियों की स्थिति एवं गति का मूल्यांकन) जैसी सेवाएं प्रदान की जाएंगी। ये सेवाएं विशेष रूप से उन मरीजों के लिए उपयोगी होंगी जिन्हें नियमित नेत्र परीक्षण, विशेष नेत्र समस्याओं की जांच या विस्तृत परामर्श की आवश्यकता होती है।

इस अवसर पर प्रो. सिंह ने कहा, हमारा निरंतर प्रयास है कि मरीजों को कम समय में सुलभ और उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएं। ये नई रिफ्रैक्शन यूनिट्स न केवल मरीजों की प्रतीक्षा अवधि को घटाएंगी, बल्कि नेत्र जांच की गुणवत्ता और दायरे को भी बढ़ाएंगी। इस प्रकार की पहलें हमारे संस्थान की सेवा-प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। नेत्र विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) भावना शर्मा ने इन नई इकाइयों के शुभारंभ को नेत्र सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि इन इकाइयों के माध्यम से मरीजों को समय पर जांच और परामर्श की सुविधा मिल सकेगी, जिससे उनके उपचार में मदद मिलेगी।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

वैश्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सरकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें!! का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी। साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

बाबा साहेब आंबेडकर की कल्पनाओं को साकार करता मध्यप्रदेश

क्रांतिदीप अलूने

> मुख्यमंत्री डॉ. यादव संविधान दिवस (26 नवम्बर) पर मध्यप्रदेश में निवेश लाने के लिए अपने यूके-जर्मनी दौरे के बीच लंदन में उस स्थान पर पहुंचे जहां 1920 के दशक में डॉ. आंबेडकर ने निवास किया था। डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर उन्होंने माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा संविधान की प्रस्तावना का वाचन भी किया। दरअसल भारतीय संविधान की प्रस्तावना एक उद्घोषणा है, जो संविधान की मूल भावना, उद्देश्यों और आदर्शों को दर्शाती है। यह संविधान के उद्देश्यों की आधारशिला है। प्रस्तावना में समस्त नागरिकों के लिये सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का संकल्प दिखाया गया है और प्रदेश उन संकल्पों को पूरा करने के लिए कृतसंकल्प है।

डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर भारत के महान विधिवेत्ता,एक दूरदर्शी चिंतक और समाज सुधारक थे। उन्होंने एक ऐसे राज्य की कल्पना की थी जो समानता, न्याय और मूलभूत अधिकारों को हर नागरिक के लिए सुनिश्चित करे। डॉ.आंबेडकर वंचितों, शोषितों, मजदूर, किसान, पिछड़े समाज और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए संकल्पित थे, उनका यह आग्रह देश के संविधान में भी दिखाई पड़ता है। डॉ. आंबेडकर के चिंतन और संघर्ष का मूल उद्देश्य सामाजिक न्याय, समानता और सम्मान के साथ सभी का खुशहाल जीवन था। मध्यप्रदेश में बड़ी आबादी अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्गों की है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में डॉ. आंबेडकर की संकल्पना को साकार करते हुए राज्य सरकार वंचित और गरीब वर्गों के सर्वांगीण विकास और खुशहाल जीवन के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

जयन्ती पर विशेष

मध्यप्रदेश में डॉ. भीमराव आंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को महू में हुआ था और राज्य उनके विचारों को साकार करने वाली भूमि के रूप में पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने जनकल्याणकारी कार्यों से यह सुनिश्चित किया है कि वंचित वर्गों के लिए संचालित कार्यक्रम और योजनाओं को डॉ. आंबेडकर की अपेक्षाओं के अनुरूप व्यवहारिक जीवन और नीति निर्माण में भी उतारा जाए। भारत एक कल्याणकारी राज्य है, जिसका उद्देश्य सभी नागरिकों, विशेष रूप से गरीब वर्ग के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपनी लोक कल्याणकारी योजनाओं का लक्ष्य प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के चिंतन के अनुरूप 'सबका साथ और सबका विकास' को बनाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की है कि डॉ. आंबेडकर की जन्म स्थली महू में स्थापित डॉ. भीमराव अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय को 'सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित किया जाएगा। डॉ. आंबेडकर शिक्षा को जीवन का सबसे ताकतवर हथियार मानते थे। उनके लिए शिक्षा सिर्फ व्यक्तिगत तरक्की का साधन नहीं अपितु सामाजिक परिवर्तन, समानता और न्याय का रास्ता थी। उन्होंने शिक्षा को दलितों, पिछड़ों और शोषित वर्गों के लिए मुक्ति का द्वार बताया था। उनका मानना था कि उच्च शिक्षा संस्थान वैज्ञानिक, शिक्षाविद, विचारक और जिम्मेदार नागरिक तैयार करते हैं। अब डॉ. आंबेडकर से प्रेरणा लेकर सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस से उत्कृष्ट विद्यार्थी निकल सकेंगे। म.प्र. के महू में डॉ. आंबेडकर स्मारक के साथ कई अन्य स्थान भी हैं, जो उनके संघर्ष और योगदान को याद दिलाते हैं। यह स्थल पूरे देश के लिए गौरव और प्रेरणा का स्रोत हैं। महू डॉ. आंबेडकर के अनुयायियों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। देश विदेश से लाखों लोग यहां पर आते है। मध्यप्रदेश सरकार डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की स्मृति में पंच तीर्थों-उनके जन्म स्थान, दीक्षा स्थल, कर्मभूमि, शिक्षा स्थल और जहां उनका महा-परिनिर्वाण हुआ था। सरकार मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत इन पंच तीर्थों बाबा साहेब की जन्मस्थली महू, दीक्षा भूमि नागपुर, महा-परिनिर्वाण स्थली दिल्ली, चैत्य भूमि मुंबई और यूके के लंदन में स्थित पढ़ाई के समय का उनका निवास स्थल शामिल हैं। सागर जिले के करीब ढाई सौ वर्ग किलोमीटर आरक्षित वन क्षेत्र को प्रदेश का 25वाँ अभयारण्य घोषित किया है। संविधान के शिल्पकार डॉ.आंबेडकर के पर्यावरण संरक्षण के प्रति आग्रह को याद करते हुए अभयारण्य का नाम डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम से रखा गया है। अभयारण्य के गठन से वन एवं वन्य-प्राणियों का संरक्षण एवं संवर्धन होगा। इस अभयारण्य से पारिस्थितिकीय तंत्र में खाद्य श्रृंखला सुदृढ़ होगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। सेतु केवल दो स्थानों को जोड़ने वाली संरचना नहीं होती बल्कि यह संपर्क, विकास और विश्वास का प्रतीक होता है। देश के हृदय प्रदेश की राजधानी भोपाल के हृदय-स्थल कहे जाने वाले महाराणा प्रताप नगर में बने प्रदेश के सबसे (2.73 किमी) लंबे फ्लाई-ओवर का नामकरण बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनेकता में एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया है।समता और समानता के पैरोकार रहे डॉ.आंबेडकर के नाम पर राज्य सरकार ने किसानों की समृद्धि के लिए 'डॉ. आंबेडकर पशुपालन विकास योजना' को मंजूरी दी। पशुपालन और डेयरी, कृषि आधारित अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाते हैं, अपितु आधुनिक भारत में भी एक बड़ा आर्थिक क्षेत्र है। पशुपालन एवं डेयरी और डॉ. भीमराव आंबेडकर का संबंध मुख्य रूप से समाज के आर्थिक उत्थान और सामाजिक न्याय से जुड़ा हुआ है। डॉ. आंबेडकर ने हमेशा सामाजिक और आर्थिक समानता की बात की और समाज के प्रत्येक वर्ग को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में कार्य किया। पशुपालन और डेयरी उद्योग को उन्होंने आर्थिक स्वतंत्रता के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा, विशेष रूप से दलित, जनजातीय और पिछड़े समुदायों के लिए। डॉ. आंबेडकर ने समाज में समानता और सशक्तिकरण के लिए जो मार्गदर्शन दिया, वह मध्यप्रदेश में विकास की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो, इसके लिए राज्य सरकार लोक-कल्याण के व्यापक कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, डॉ.आंबेडकर की कल्पनाओं को साकार करते हुए सुशासित प्रदेश की अवधारणा पर प्रदेश के विकास को तीव्र गति से आगे बढ़ा रहे है। उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश में समान अवसर और समावेशी विकास की योजनाओं ने उसे एक सशक्त और प्रगतिशील राज्य बना दिया है। मध्यप्रदेश डॉ. आंबेडकर के सिद्धांतों के अनुरूप आगे बढ़ रहा है।

लेखक- मप्र जनसंपर्क में अधिकारी हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

कांग्रेस को दुश्मनों की क्या जरूरत खुद ही काफी है

दिलीप कुमार पाठक

कांग्रेस पार्टी को दुश्मन की क्या आवश्यकता जब पार्टी ही में ऐसे नेता है जो कांग्रेस पार्टी को अंदर से खोखला कर रहे हैं तो दुश्मनों की क्या ही आवश्यकता? पार्टी को रसातल में ले जाने के लिए वे ही काफी हैं कांग्रेस पार्टी को नुकसान पहुंचाने वाले ऐसे नेताओं को पार्टी से बाहर निकालने की बजाय पार्टी उनके चुंगल में फंसती चली जा रही है कांग्रेस पार्टी का अभी एक मामला सामने आया है कांग्रेस ने अपने तेज तर्रार प्रवक्ता आलोक शर्मा को सचिव पद से मुक्त कर दिया है, हालांकि प्रवक्ता बने रहेंगे जबकि आलोक शर्मा का बैकग्राउंड देखें तो वह टीवी पर कांग्रेस का मज़बूती एवं तार्किकता से पक्ष रखते हुए दिखाई देते हैं कांग्रेस के अपने नेताओं को डिफेंड करते हैं अपनी पार्टी के लिए लड़ते दिखाई देते हैं अपना पक्ष बिना डरे मजबूती के साथ रखते हैं, लेकिन उनको ही बाहर निकाल दिया गया, इससे कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं में क्या संदेश जाएगा? कांग्रेस नेताओं की पार्टी है या कार्यकर्ताओं की? वैसे भी कांग्रेस पार्टी में कार्यकर्ताओं से ज़्यादा नेताओं की भरमार है राहुल गांधी सभाओं में तकरीरें करते हैं कि हम ऐसे नेताओ को बाहर निकाल फेंकेंगे जो पार्टी के अंदर रहकर नुकसान पंहुचाने का प्रयास करते हैं कांग्रेस पार्टी आजकल ऐसे नेताओं से घिरी हुई है जो कांग्रेस को नीचे ही ले जाएंगे। कांग्रेस अपने शुभचिंतको एवं पार्टी के बंटाधार करने वालों को पहिचान नहीं कर पा रही है पार्टी में ऐसे - ऐसे बयान बहादुर हैं जो हमेशा अपनी जुबान जब खोलेंगे कांग्रेस का नुकसान ही करेंगे राजीव गांधी, सोनिया गांधी के दौर के नेताओ को जनता पहले ही बहुत नकार चुकी है, कितना झेल पाएगी... अब बस कर दीजिए एक नई पीढ़ी को आगे बढ़ाऐं कांग्रेस पार्टी हमेशा से बुजुर्ग नेताओ को ढ़ो रही है सिंधिया जैसे नेता को खो दियो वो तो सचिन पायलट कांग्रेस के लिए इतने वफ़ादार हैं कि वे पार्टी छोड़कर नहीं गए अन्यथा सचिन पायलट कब का पार्टी छोड़कर चले गए होते ! कांग्रेस के बुजुर्ग नेता पार्टी में अपनी पकड़ बनाए हुए हैं जबकि पार्टी निरंतर अपना प्रभुत्व खोती जा रही है कांग्रेस पार्टी में असंतुष्ट नेताओं का एक गुट है जिसे ज-23 कहते हैं जो हमेशा शीर्ष नेतृत्व को अपने इशारों पर नचाना चाहता है वो हमेशा पार्टी आलाकमान को कोसते रहते हैं लेकिन पार्टी उनके खिलाफ़ कोई एक्शन नहीं ले पाती जबकि सभी को पता है कि वे पुराने नकारे हुए नेता जिन्होंने अपनी ज़िंदगी में हमेशा राज्यसभा से राजनीति की, ऐसे नेता कभी बिना पद के पार्टी में नहीं रहे, उनमे से आधे तो पार्टी ही छोड़ गए, उनमें से कुछ राज्यसभा चले गऐ और जो कुछ बिना पद के रह गए हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

भारतीय संविधान के शिल्पी एवं सामाजिक क्रांति के महानायक डॉ. अम्बेडकर

सुरेश पचौरी

> आजाद भारत के पहले मंत्रिमंडल में डॉ अम्बेडकर देश के कानून मंत्री बने। वे संविधान सभा के सदस्य भी थे तथा उन्हें संविधान सभा की ड्रॉफ्ट कमेटी का सभापति बनाया गया था। आजादी के तत्काल बाद 1947 में जब साम्प्रदायिक विद्वेष की आग फैल रही थी ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती थी, एक ऐसा संविधान बनाने की, जो सर्वस्वीकार्य हो। डॉ अम्बेडकर ने इस चुनौती को सहर्ष स्वीकार किया।

मध्यप्रदेश की माटी के गौरव सपूत, भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर, समता मूलक समाज की स्थापना के प्रणेता और भारत के संविधान के निर्माता हैं। डॉ अम्बेडकर का जीवन संघर्षों की ऐसी महागाथा है जिसने इंसानियत को सही अर्थों में समझा और मानवीय गरिमा को स्थापित कर इतिहास को गौरवान्वित किया। डॉ अम्बेडकर देश के कमजोर वर्गों के आत्मसम्मान और सामाजिक, आर्थिक समानता के सबसे बड़े पैरोकार थे। उनका जन्म 14 अप्रैल 1891 में मध्यप्रदेश के महू में हुआ था। महार जाति में जन्में डॉ अम्बेडकर ने गैर बराबरी, छुआछूत, अन्याय, शोषण, दमन, घृणा, तिरस्कार और वेदना की पराकाष्ठा की भट्टी में तपते हुए सतह से शिखर की उंचाई को स्पर्श किया है।

डॉ भीमराव अम्बेडकर बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। 1912 में उन्होंने स्नातक परीक्षा पास की। उन्होंने अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एम.ए. किया, लंदन स्कूल ऑफ इकोनामिक्स से डी.एससी. एवं कोलंबिया यूनिवर्सिटी से डॉक्टर ऑफ लॉ की डिग्री हासिल की। वे एक चिंतनशील व्यक्ति तथा कर्मयोगी थे। उनका जीवन, उन्हें मिली सफलताऐं और उपलब्धियां अपने आप में इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा का जाति से कोई संबंध नहीं होता। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रतिभा को खुला और उन्मुक्त वातावरण मिलना चाहिए। असाधारण संगठन क्षमता और अन्याय के विरूद्ध लोहा लेने की उनकी संकल्पबद्धता उन्हें सहज ही एक महान इतिहास पुरूष के रूप में प्रतिष्ठापित कर देती है। दलित समाज में मानवाधिकारों के प्रति चेतना जगाने में उनका विशेष योगदान है। दलित एवं कमजोर वर्गों के लिए उनका स्पष्ट संदेश था - शिक्षित बनो, संगठित रहों और संघर्ष करो।

डॉ अम्बेडकर जी की जन्म जयंती

डॉ अम्बेडकर राजनैतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र में बदलना चाहते थे। वे आर्थिक शोषण के खिलाफ संरक्षण को संविधान के मूलभूत अधिकारों के रूप में सम्मिलित करने के पक्षधर थे। डॉ अम्बेडकर ने विश्व संविधानों के श्रेष्ठ मूल्यों, उन्नत प्रावधानों को भारतीय संस्कृति के अनुरूप ढालकर भारतीय संविधान को वैश्विक संघर्षों एवं अनुभवों से समृद्ध किया। स्वतंत्र भारत के संविधान के शिल्पकार के रूप में डॉ अम्बेडकर के योगदान को पूरा देश बड़े गौरव के साथ स्मरण करता है। डॉ अम्बेडकर ने संविधान की रचना करते समय इस बात को बारीकी से ध्यान में रखा कि आजाद भारत जातियों, संप्रदायों में विभाजित हुये बिना एकजुट मानव समाज के रूप में अपनी विकास यात्रा तय करे। संविधान में डॉ अम्बेडकर ने ऐसे अनेक प्रावधान रखे, जिसके चलते न केवल दलित वर्ग को अपितु संपूर्ण मानव समाज को समानता से जीने का अधिकार मिला। उन्हीं के प्रयासों से छुआछूत को दंडनीय अपराध घोषित किया गया। संविधान में सामाजिक न्याय और कमजोर वर्ग की बेहतरी के अनेक प्रावधान किये गये। डॉ अम्बेडकर का जीवन एवं दर्शन सामाजिक एवं आर्थिक नवनिर्माण को सही दिशा देने का मूल मंत्र है। उन्होंने वित्त आयोग, आर.बी.आई. निर्वाचन आयोग, पानी, बिजली, ग्रिड सिस्टम, संपत्ति में महिलाओं का अधिकार आदि अनेक विषयों पर अपने विचार आलेख के रूप में प्रस्तुत किये। राष्ट्रनिर्माण, विदेशनीति निर्धारण, श्रमिक कल्याण, कृषि तथा औद्योगिक विकास में उनका तत्कालीन चिंतन आज भी देश की जनता के लिए धरोहर सरीखा है। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी डॉ अम्बेडकर एक चिंतनशील पत्रकार थे। वे पत्रकारिता को सामाजिक न्याय का माध्यम मानते थे। पत्रकारिता की आवश्यकता और प्रभाव को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा था जैसे पंख के बिना पक्षी नहीं होते वैसे समाचार पत्र के बिना आंदोलन नहीं होते। डॉ अम्बेडकर ने खुद भी 1920 में मूकनायक अखबार का प्रकाशन शुरू किया जिसके माध्यम से मानवीय संवेदनाओं को राष्ट्रीय स्वर दिया। इसका असर यह हुआ कि अंग्रेजों की दलित समाज को हिन्दू समाज से अलग करने की चाल विफल हुई। डॉ अम्बेडकर द्वारा उठाये गये सामाजिक आर्थिक प्रश्नों से आजादी के आंदोलन को गति एवं शक्ति प्राप्त हुई। सामाजिक समरसता और समाज में बराबरी का भाव डॉ अम्बेडकर के चिंतन के केन्द्र बिन्दु रहे लेकिन यह सिर्फ दलित या कमजोर वर्ग तक सीमित नहीं था, उन्होंने महिलाओं को संपत्ति में अधिकार, हिन्दू समाज में बहुविवाह प्रथा पर रोक लगाने के हिन्दू कोड बिल को लागू करवाने के लिये अथक प्रयास किये। यह उनके सिद्धांतों के प्रति दृढ़ता का परिचायक था कि हिन्दू कोड बिल को पारित न होने पर उन्होंने कानून मंत्री के पद से स्तीफा दे दिया। समानता पर आधारित शोषणमुक्त समाज के निर्माण की दिशा में निर्णायक कदम उठाते हुये उन्होंने 14 अक्टूम्बर 1956 को अपने लाखों अनुयायियों सहित बौद्ध धर्म अपनाया। नागपुर की पवित्र दीक्षाभूमि पर उन्होंने प्रतिज्ञा की कि मैं इस सिद्धांत को मानूंगा कि सभी मनुष्य एक हैं। मैं बौद्धधर्म के तीन तत्वों 1. ज्ञान 2. करूणा 3. शील के अनुरूप स्वंय को ढालूंगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्र सरकार ने डॉ अम्बेडकर के जीवन और कृतित्व को चिरस्मरणीय बनाने के लिये अनेक कदम उठाये हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा साहब अम्बेडकर के जीवन से गहरे संबंध रखने वाले पांच स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। ये पंचतीर्थ इस प्रकार हैं।

(लेखक-पूर्व केन्द्रीय मंत्री रहे हैं।)

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8336

■	1		2	■	3			4
5	■	■	6			■	■	
	■	7		■	8	9	■	
10	11				■	12	13	
■		■		■	14	■		■
15		16	■	17		18		19
	■	20	21	■	22		■	
	■	■	23			■	■	
24				■	25			■

बाएँ से दाएँ

1. चोगा, गाऊन-3
3. पायजामा, शलवार-4
6. भाग्य, लक-3
7. सूर्य, भास्कर-2
8. बिता हुआ दिन-2
10. न्यूनता, निम्नता-5
12. मैडल, पदक-3
15. माला का मोती-3
17. कुलिन स्त्री-5
20. थूक, लेस-2
22. विलंब, लेट-2
23. जाँच, निरीक्षण-3
24. श्मशान, शवदाहगृह-4
25. साफ, बेदाग-3

ऊपर से नीचे

2. दानशीलता, उदारता-5
3. पाठ, शिक्षा-3
4. रात्रि जागरण-4
5. नेत्रावरण-3
7. लीन, मगन-2
9. बुरी आदत-2
11. कामदेव-3
13. मगरमच्छ-3
14. इंतजार करना-2,3
15. आलेप, लोशन-4
16. सफेद का विलोम-2
18. पानी से सराबोर-2
19. माजरा, हालात-3
21. रिपोर्ट-3

शब्द पहेली - 8335 का हल

■	दा	वा	न	ल	■	ज	■	■
■	ग	■	मी	■	ना	मा	कू	ल
म	दा	री	■	स	ज	ना	■	बा
■	र	स	ना	■	न	■	जा	ल
आ	■	ना	म	र	ख	ना	■	ब
म	य	■	क	■	रा	श	न	■
रा	■	का	र	ण	■	क	म	रा
य	की	न	न	■	श	■	की	■
■	■	न	■	सा	व	धा	न	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

14 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	तुला में
मंगल	कर्क में
बुध	मीन में
गुरु	वृष में
शुक्र	मीन में
शनि	मीन में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मेष	05.44 बजे से
वृष	07.24 बजे से
मिथुन	09.22 बजे से
कर्क	11.35 बजे से
सिंह	13.51 बजे से
कन्या	16.03 बजे से
तुला	18.14 बजे से
वृश्चिक	20.29 ब.से
धनु	22.45 बजे से
मकर	00.50 बजे से
कुंभ	02.36 बजे से
मीन	04.09 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 104 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 08.26 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** स्वाती 00.14 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वज्र 22.38 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 08.26 बजे तदनन्तर तैतिल 21.42 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 09° 25' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872314 **जूलियन दिन** 2460779.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 15 **विशेष** सोलर नववर्ष, मेष संक्रांति, बैसाखी, पुथंडु, विषु कानी, अंबेडकर जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

बाबा साहेब के सिद्धांत आज भी सभी को देते हैं प्रेरणाः उप मुख्यमंत्री

शहडोल। उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने समस्त प्रदेशवासियों को अम्बेडकर जयंती की शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि समाज के वंचित, शोषित और पीड़ित वर्गों के लिए जीवनभर संघर्ष करने वाले भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने हमें एक समतामूलक, न्यायपूर्ण और सशक्त लोकतंत्र का मार्ग दिखाया। उनके विचार और सिद्धांत आज भी हम सभी को प्रेरणा देते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने डॉ. अम्बेडकर को नमन करते हुए आह्वान किया है कि बाबा साहेब के सपनों के भारत के निर्माण में हम सब अपनी पूर्ण भागीदारी निभाएँ।

म.प्र. राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया का भ्रमण कार्यक्रम

शहडोल। मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया 14 अप्रैल को प्रातः 8 बजे अमरकंटक में स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे तथा पिछड़ा वर्ग के कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे। दोपहर 2 बजे अमरकंटक से शहडोल हेतु प्रस्थान करेंगे तथा सर्किट हाऊस शहडोल में रात्रि विश्राम करेंगे। 15 अप्रैल को शहडोल में प्रातः 11:00 कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे, दोपहर 12 बजे छात्रावासों का निरीक्षण, दोपहर 2 बजे अधिकारियों की बैठक लेंगे तथा शाम 4 बजे शहडोल से अमरपाटन के लिए प्रस्थान करेंगे ।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर रहेगा सार्वजनिक अवकाश

शहडोल। सामान्य प्रशासन विभाग ने 14 अप्रैल 2025 को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। प्रदेश सरकार द्वारा यह अवकाश निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेन्ट्स एक्ट के तहत घोषित किया गया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान से जुड़ें और जल संरक्षण का संकल्प लें

शहडोल। जल जीवन का आधार जल गंगा अभियान के तहत म प्र जन अभियान परिषद जिला शहडोल के तत्त्वाधान में जिला समन्वयक विवेक पांडेय जी के आतिथ्य में ग्राम पंचायत कतिरा के ग्राम खुशरवाह के ज्वालामुखी मंदिर तालाब में चौपाल कार्यक्रम रखा गया जिसमें जिला समन्वयक विवेक पांडेय के द्वारा बताया गया कि प्रदेश सरकार की जो महत्वाकांक्षी जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलाया जा रहा है। इसमें सभी का नवांकुर संस्था, परामर्शदाता, सी यम सीएल डी पी के छात्र छात्राओ का महत्व पूर्ण योगदान है। लोग समाज में सेतु का काम कर रहे हैं जल के संरक्षण एवं संवर्धन तथा जल श्रोतों को चिन्हांकित कर जन सहयोग से सुनिश्चित करें। इसके बाद सिद्धबाबा आश्रम चुंदी नदी के तट पर बने शिव मंदिर एवं स्टॉप डैम की साफ सफाई जल गंगा अभियान के तहत नवांकुर संस्था, तथा सी यम सीएल डी पी के छात्रों एवं राजेश द्विवेदी, एवं श्रीमती जयश्री कचेर, अनुपम द्विवेदी, ब्लॉक समन्वयक ऋतिकदास मिश्रा, रघुवीर मिश्रा, शिव कुमार तिवारी, शैलेंद्र शर्मा, पवन तिवारी, श्रीमती रिंकी द्विवेदी सत्यम तिवारी एवं अन्य समाजसेवियों के द्वारा साफ सफाई किया गया। साथ ही जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पांडेय के द्वारा बताया गया कि हम समाज मे श्रमदान के माध्यम से लोगों जागरूकता रैली के सहभागिता से हमें गांव-गांव में इस अभियान को सफल बनाना है जिससे समाज एवं गांव में एक अच्छा वातावरण का निर्माण हो जिससे जल व्यर्थ में बह रहा जल को हम संचित रख सके तथा हम सब लोग अभियान में लगे जिससे सरकार की मंशा पर थोड़ा-थोड़ा हमारा योगदान हो सके। इसी माध्यम से हम अपनी भूमिका पर कार्य करें। इस अवसर पर समाजसेवी गीता प्रसाद केवट ओमप्रकाश शुक्ला क्रान्ति गुप्ता सी एमसी एल डी पी के छात्र छात्रा उपस्थित रहे।

खालसा साजना दिवस बैसाखी पर्व पर सजाए गए विशेष कीर्तन दीवान

शहडोल।खालसा साजना दिवस बैसाखी पर्व आज 13 अप्रैल दिन रविवार को गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा घरौला मोहल्ला में मनाया गया। बैसाखी पर्व के अवसर पर विशेष कीर्तन दीवान सजाए गए। इस अवसर पर पंजाब के मारकंडे से आए भाई मनराज सिंह जी ने साथियों के साथ कीर्तन दीवान सजाया। गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा शहडोल में 11 अप्रैल को श्री गुरु ग्रंथ साहिब के अखंड पाठ की आरंभता हो चुकी थी। रोजाना सुबह एवं शाम विशेष कीर्तन दीवान गुरुद्वारे में सजाए जा रहे थे और उसके उपरांत लंगर भी बरताया जा रहा था। आज 13 अप्रैल दिन रविवार को श्री अखंड पाठ साहिब की समाप्ति सुबह 8:30 बजे हुई। सुबह 10:30 बजे से 11:00 बजे तक गुरु घर के हजूरी रागी ज्ञानी धर्म सिंह जी ने कीर्तन दीवान सजाया। 11:00 बजे से दोपहर 12:30 तक पंजाब से आए ज्ञानी मनराज सिंह जी अपने साथियों के साथ कीर्तन दीवान सजाया। इसके उपरांत गुरु घर के हजूरी रागी ज्ञानी धर्म सिंह जी ने दोपहर 1:00 बजे तक कीर्तन दीवान सजाया। अरदास के उपरांत लंगर की सेवा हुई।

पहले कौओं तो अब बिल्ली-तेंदुआ-बाघ में बर्ड फ्लू के लिए अलर्ट

विजय मत, शहडोल।

शहडोल जिले के झीक बिजुरी क्षेत्र में कौओं की मौत के बाद बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। छिंदवाड़ा में बिल्लियों में भी संक्रमण मिला है। स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है और वन व पशु विभागों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

शहडोल जिले के झींक बिजुरी क्षेत्र में हुई कौओं की मौत के बाद हुई जांच में बर्ड फ्लू (एच 5 एन 1) बीमारी सामने आने के बाद से ही जिले का स्वास्थ्य महकमा सतर्कता बरत रहा है। बीते दिनों मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा झींक बिजुरी क्षेत्र में चिकित्सीय टीम भेजकर वहां ग्रामीणों की एहतियात के तौर पर स्क्रीनिंग कराई थी, लेकिन किसी भी व्यक्ति में बर्ड फ्लू से संबंधित कोई भी संक्रमण अथवा लक्षण नहीं मिला था। फिर भी अब भी स्वास्थ्य विभाग ऐसी किसी भी बीमारी को लेकर अलर्ट मोड पर है।

मुर्गियों और बिल्लियों की हुई मृत्यु बना कारण

इसका मुख्य कारण प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में बिल्ली परिवार की प्रजाति में बर्ड्-फ्लू / फ़्लू वायरस का पाया जाना है, जिसकी वजह से वहां वजह से मुर्गियों और बिल्लियों की मृत्यु हुई है। यह जानकारी सामने आने के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर राजेश मिश्रा द्वारा एहतियात के तौर पर वन मंडल अधिकारी उत्तर / दक्षिण वन वृत जिला शहडोल, वन मंडल अधिकारी जिला अनूपपुर / उमरिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला- अनुपपुर / उमरिया तथा उप संचालक पशु चिकित्सा विभाग, जिला- शहडोल / अनुपपुर / उमरिया को पत्र जारी कर इससे अवगत कराया है। ताकि अगर शहडोल संभाग में भी बिल्ली अथवा उसके परिवार की प्रजाति में छिंदवाडा जैसे बर्ड-फ्लू / फ़्लू वायरस का पाया जाता है ,तो पहले से ही सतर्कता बरती जा सके।

बरती जा रही सर्तकता

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी शाडोल द्वारा जारी पत्र में उल्लेखित कर ग्राम झीक बिजुरी विकासखंड बुढार जिला शहडोल में बर्ड फ्लू वायरस ॥5ह1 पॉजिटिव रिपोर्ट का हवाला देते हुए वन एवं पशु चिकित्सा विभाग को अवगत कराया गया है कि दिनांक 10-02-2025 को छिंदवाड़ा जिले में मुर्गियों और बिल्लियों में बर्ड्-फ़्लू / फ़्लू वायरस पॉजिटिव पाया गया था, जिसकी वजह से मुर्गियों और बिल्लियों की मृत्यु हुई है। 09 अप्रैल 2025 को शहडोल जिले के ग्राम झींकविजुरी विकासखंड बुढ़ार में मृत पाए गए कौओ के सैंपल राज्य स्तर से जाँच कराए जाने पर बर्ड फ़्लू वायरस ॥5ह1 पॉजिटिव रिपोर्ट प्राप्त हुई हैं। डॉ. शैलेश साकल्ले सदस्य ऋऋ्ञ राज्य सर्वेलेन्स इकाई ढ्ढष्ठस्क्रद्वारा बताया गया कि बर्ड फ्लू इन्फेक्शन से छिंदवाड़ा जिले में कैट फैमिली में संक्रमण मिला हैं तथा बर्ड फ्लू संक्रमण से बिल्लियों में मृत्यु की जानकारी मिली हैं। इसलिए शहडोल, अनूपपुर तथा उमरिया जिले में कैट फैमिली से संबंधित जानवर तथा तेंदुआ, बाघ (ञ्जद्बद्दद्गह्म्) में इन्फेक्शन के प्रति सावधान रहने एवं रोकथाम हेतु तैयारियां करना अवश्यक होगा। साथ ही इसके प्रति सभी को अलर्ट रहना चाहिए ,ताकि अगर ऐसे मामले हमारे सामने आतें हैं तो उससे निपटा जा सके।

इनका कहना है

ब्लर्ड फ्लू की चपेट में पक्षी एवं इंसान तो आ सकते हैं परंतु जंगली जानवरों के प्रभाव में आने का अब तक कोई उदाहरण नही हैं चूंकि जंगली जानवरों रोग प्रतिरोधक बहुत अधिक होती है इसलिए ये ब्लर्ड फ्लू से प्रभावित नहीं हो पाते । फिर भी चिड़ियाघर में ब्लर्ड फ्लू से बचने के लिए सतकर्तता बरती जा सकती है ।

अजय पाण्डेय, वन संरक्षक शहडोल

जिले के झीक बिजुरी क्षेत्र के मैरटोला करौदी में बीते कुछ दिनों से लगातार हो रही कौओं की मौत के मामले की पशु एवं डेयरी विभाग द्वारा राज्य स्तर पर कराई गई जांच के बाद इसका कारण बर्ड फ्लू (एच 5 एन 1) बीमारी का होना सामने आया था। जिसके बाद से ही जिले का स्वास्थ्य अमला सतर्कता बरत रहा है। ऐतिहात इतिहास के तौर पर हमने पत्र जारी किया है। आने वाले समय में किसी भी स्थिति में उससे निपटा जा सके।

डॉ. राजेश मिश्रा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

लू से बचने के लिए मौसमी फलों का सेवन करें , अधिक पानी पिएं :सीएमएचओ

विजय मत, शहडोल।

जिले में पिछले एक सप्ताह से वातावरण में लगातार परिवर्तन हो रहा है। प्रातः 10 बजे से ही गर्म हवाएं चलने लगती हैं जिसके कारण लू लगने की आशंका बढ़ गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने आमजनों को लू से बचाव की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि लू से बचने के लिए जन सामान्य ज्यादा समय तक घर पर ही रहें। जिले में पिछले एक सप्ताह से तापमान में तेजी से वृद्धि हो रही है।

दिन में 10 बजे के बाद गर्म हवाओं का प्रकोप हो जाता है। आमजन अति आवश्यक कार्य होने पर ही घर से बाहर निकले। जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलते समय पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। खाली पेट घर से बाहर न जायें। इससे लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। दिन में कम से कम 12 से 15 गिलास पानी जरूर पियें।

लू से बचाव के लिए देशी घरेलू उपाय अपनाएं। बाहर निकलते समय सूती कपड़े से चेहरा और सर ढककर रखें तथा पानी साथ में जरूर रखें। पहनने के लिए सूती कपड़ों का अधिक उपयोग करें। लू से बचने के लिए खरबूज, तरबूज, ककड़ी, खीरा, आदि मौसमी फलों का सेवन करें। बेल, सौफ, पोदीना, धनिया आदि के शर्बत तथा छांछ के उपयोग से भी लू से बचाव होता है। कच्चे आम के पने का भी उपयोग करें। अगर लू के लक्षण जैसे मिचली आने, गला सूखने तथा बुखार का प्रकोप होने पर तत्काल डॉक्टर से संपर्क करके उचित उपचार करायें।

ब्योहारी विधायक, कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने किया श्रमदान

चिपाढ़नाथ मंदिर तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किया गया सफाई कार्य

विजय मत, शहडोल।

जल है प्रकृति का अमूल्य उपहार बचाओ इसे, यही है जीवन का आधार÷ शहडोल जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून 2025 तक चलाया जा रहा हैजो प्रगति पर है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, समाजसेवी,पत्रकार सहित अन्य लोगों द्वारा बढ़ चढ़कर सहभागिता निभाई जा रही है तथा जल के एक एक बूंद को सहेजने के लिए संदेश दिया जा रहा है। शहडोल जिले के विकासखंड ब्यौहारी के ग्राम ग्राम पंचायत मऊ के चिपाढ़नाथ मंदिर जिसमें हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित है और लोगों का आस्था का केंद्र भी है।

चिपाढ़नाथ मंदिर के समीप तालाब में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल के एक एक बूंद को सहेजने के लिए सफाई का कार्य किया गया जिसमे विधायक शरद जुगलाल कोल, कलेक्टर डॉ केदार सिंह, जिला पंचायत शहडोल के मुख्य कार्य पालन अधिकारी नरेंद्र धुर्वे, जनपद पंचायत ब्यौहारी की अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षी सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ब्यौहारी सुश्री सौम्या आनंद, मुख्य कार्य पालन अधिकारी विजय सिंह मरावी, अभियान परिषद के परामर्शदाता हीरालाल साहू, सरस्वतीचंद्र विद्या, रामेश्वर पाल सहित अन्य लोगों बढ़ चढ़कर सहभागिता निभाते हुए श्रमदान किया।

बैंकों के सामने नहीं है वाहन पार्किंग सुविधा

उपभोक्ताओं के बेतरतीब खड़े वाहनों से ट्रैफिक व्यवस्था हो जाती है ठप्प

विजय मत, शहडोल।

नगर में छोटे बड़े डेढ़ दर्जन से जयादा बैंक शाखाएं हैं। लेकिन किसी भी बैंक में पार्किंग सुविधा नहीं है। इससे खातेदार वाहन सड़क पर पार्किंग करते हैं। इससे यातायात समस्या का कारण बनता है। शहर में संचालित बैंकों के पास पार्किंग व्यवस्था नहीं है। यहां आने वाले उपभोक्ताओं द्वारा गाड़ी सड़क पर ही खड़ी की जा रही हैं। इस कारण सड़क पर दूसरे वाहन के लिए जगह नहीं बचती और दिन भर ट्रैफिक जाम का सिलसिला चलता रहता है। इससे हर रोज लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं यातायात पुलिस को इस बात की जानकारी होने के बाद अनजान बनी हुई है। ऐसे में मुख्य मार्गो पर ही घंटों जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है।

व्यस्ततम क्षेत्र में बैंक, नहीं है पार्किंग

शहर में पांडव नगर मार्ग अंबेडकर चौराहा में स्थित भारतीय स्टेट बैंक, बुढार रोड स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा एवं सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया, पुराना गांधी चौराहा स्थित भारतीय स्टेट बैंक पुराना शाखा, बस स्टैंड रोड स्थित आईसीआईसीआई बैंक, गांधी चौराहा मार्ग पर स्थित यूनियन बैंक सहित अन्य बैंक खुले हुए हैं। जहां पर एक भी बैंकों के सामने पार्किंग की व्यवस्था नहीं है।

हमेशा बनती है जाम की स्थिति - शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने को लेकर यातायात पुलिस बिलकुल भी संजीदा नहीं है। आए दिन जाम और अव्यवस्था जैसे आलम बने रहते है। बैंकों के सामने से रोजाना यातायात पुलिस के अफसर और पुलिस महकमें के अधिकारी निकलते रहते है,जिनकी इन सड़कों पर रखे वाहनों पर नजर भी पड़ती है, लेकिन कार्रवाई करने से पीछे हट रहे है।

पुलिस की व्यवस्था को कोसते नजर आए राहगीर -यातायात व्यवस्था बिगड़ने से अब लोग पुलिस की यातायात व्यवस्था को कोस रहे है। इससे पुलिस के अफसरों और कर्मियों को कोई भी फर्क नहीं पड़ रहा है। इतना ही नहीं अब तो सड़क पर इस प्रकार वाहनों को रखा जा रहा है कि पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है।

स्टेट एवं सेंट्रल बैंक स्थानांतरित करने की मांग -बता दें कि शहर में लगातार बढ रहे दबाब के चलते अब तक सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया एवं भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा को दूसरे स्थानों पर स्थानांतरण की मांग उठ खडी हुई है। लोगों का कहना है कि नगर में बढते यातायात के दबाब के चलते तथा बैंको के वाहर पार्किग की सुविधा न होने के कारण बैंक की मुख्य शाखा को स्थानांतरित कर दिया जाए।

उपभोक्ताओं को बैंक नही दे रहा पार्किंग की सुविधा-अपने ग्राहकों से हर सुविधा के लिए शुल्क लेने वाले बैंक उन्हें एक पार्किंग भी मुहैया नहीं करा पा रहे हैं। शहर की मुख्य सड़कों पर संचालित हो रहे बैंकों के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ ही यहां पर आने वाले ग्राहकों को अपने वाहन सड़कों पर खड़े करने पड़ रहे हैं। ऐसे में इन सड़कों पर हमेशा ही जाम की स्थिति बनी रहती हैं।

पौराणिक बावली को बचाने चल रहे अनशन को श्रमिक नेता ने दिया समर्थन

विजय मत, शहडोल।

किरन टॉकीज शहडोल स्थित पौराणिक बावली एवं धार्मिक सार्वजनिक उपयोग उपभोग की शासकीय जमीन के लिए चल रहे क्रमिक अनशन के नौवे दिन अनशनकरियों को अनशन पर बिठाने अनशन स्थल पर प्रसिद्ध श्रमिक नेता युवराज सिंह पहुंचे और उन्होंने महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर अनशनकारी नौजवान उपेंद्र जायसवाल एवं अजय बड़ेरिया को तिलक लगाकर अनशन पर बिठाया । अनशन स्थल पर किरण टॉकीज के आसपास के जागरूक नागरिक भारी संख्या में मौजूद थे।

इस मौके पर श्रमिक नेता युवराज सिंह ने कहा कि प्रजातंत्र में मांगों को लेकर धरना आंदोलन करना हमारा संवैधानिक अधिकार है। आप लोगों ने शांतिपूर्ण क्रमिक अनशन जारी किया है इसलिए इस आंदोलन का प्रभाव शहडोल शहर ही नहीं पूरे जिले पर जोर शोर से है। मैं उम्मीद करता हूं कि प्रशासन आपकी मांगों पर गौर करेगा और जल्द ही अतिक्रमण हटाए जाएंगे तथा बावली अपने मूल स्वरूप पर लौटेगी । हम इस आंदोलन का समर्थन करते हैं और आपके संघर्ष में साथ हैं।

कुप्रथा

आदिवासी क्षेत्रों में आज भी बाल विवाह कुप्रथा प्रचलित, फिर शुरू होगा मुहूर्तों का दौर

जिले में बाल विवाह को लेकर अभी भी जागरूकता की कमी

विजय मत, शहडोल।

जिला आदिवासी जब बाहुल्य जिला है, जहां आदिवासी क्षेत्रों में आज भी बाल विवाह कुप्रथा प्रचलित है, परंतु जिला प्रशासन द्वारा लोगों को जागरूक करने के लिए ना ही कोई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, ना ही महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम द्वारा बाल विवाह से जागरूकता हेतु लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसी वजह से जिले में बाल विवाह को लेकर जागरुकता की कमी देखने को मिल रही है तथा एक बार पुनः मुहूर्त का दौर शुरू हो रहा है। विवाह के लिए लड़की के लिए 18 वर्ष और लड़के लिए 21 वर्ष निर्धारित की गई है, वहीं बाल विवाह रोकने के लिए कई तरह के कड़े कानून बनाए गए हैं। इसके बाद भी जिले में हर साल बाल विवाह के मामले सामने आते हैं। जिन्हें समय रहते रोक पाना अधिकारियों के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है।

मुहूर्त शुरू होते ही लगातार रखना पड़ता है नजर

जागरूकता के अभाव में जनजातीय समाज द्वारा बाल विवाह कराया जाता है, परंतु उन्हें जागरूक करने के लिए प्रशासन द्वारा कोई खास कदम नहीं उठाया जाता। अधिकारियों ने बताया कि मुहूर्त शुरू होते ही लगातार बाल विवाह पर नजर रखी जाती है, सूचना मिलते ही दोनों पक्षों की काउंसलिंग की जाती है। अधिकारियों ने बताया कि कई बार विरोध का भी सामना करना पड़ता है।

एक बार फिर विवाह मुहूर्तों की शुरूआत

एक बार फिर विवाह मुहूर्तों की शुरूआत हो रहे है, किसी भी शुभ कार्य के लिए शुभ मुहूर्त जरूर देखे जाते हैं ताकि होने वाले काम में कोई विघ्न बाधा, परेशानी न आए। वहीं अक्षय तृतीया में बड़ी संख्या में विवाह आयोजन होते हैं, इसकी बड़ी वजह यह होती है कि इस दिन किसी भी शुभ काम के लिए मुहूर्त देखने की जरूरत नहीं होती है, जिन जोड़ों के विवाह के लिए शुभ मुहूर्त नहीं मिल रहा होता है उनका विवाह अक्षय तृतीया को किया जाता है।

पिछले साल आधा दर्जन से अधिक मामले, कुछ में एफआईआर भी

महिला एवं बाल विकास विभाग से मिली जानकारी अनुसार पिछले साल बाल-विवाह से जुड़ी आधा दर्जन से अधिक सूचनाएं अधिकारियों तक पहुंची थी, जिस पर पहले से बनाई गई टीम ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाइश दी थी। वहीं बताया जाता है कि बाल विवाह से जुड़े एक मामले में परिजनों द्वारा अड़ीबाजी करने पर एफआईआर भी कराई गई थी। इस बार भी विवाह मूहुर्तों के शुरू होने के साथ ही बाल विवाह की सूचनाएं भी सामने आने लगी हैं।

ग्राम सभा के माध्यम से किया जा सकता है जागरूक

जिले के सभी ग्राम पंचायत ग्राम सभाओं का आयोजन कर विशेष रूप से बाल-विवाह के दोषों को बताया जाए, वहीं इसे रोकने के उपायों सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाए। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 अंतर्गत बालिका की उम्र 18 वर्ष एवं बालक की उम्र 21 वर्ष से कम उम्र के विवाह नहीं किये जाने संबंधी जागरूकता अभियान चलाया जाए।

बेटी बचाओं, बेटी पढाओं योजना पर चर्चा, स्कूलों और आंगनबाडी केन्द्रों में स्वच्छ जल की उपलब्धता पर चर्चा, कुपोषण मुक्त ग्राम पर चर्चा, विभिन्न प्रकार की पेंशन योजनाओं में लाभ वाले हितग्राहियों की सूचियों का वाचन, हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर (आरोग्यम) में प्रदाय की जाने वाली एवं स्वास्थ्य विभाग संबंधी योजनाओं पर चर्चा एवं शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्राम सभा के समक्ष रखा जाए तो बढ़ सकती है बाल विवाह से जागरूकता।

न्यूज इन शॉर्ट

तीन दिन पूर्व लापता हुई किशोरी को पुलिस ने किया दस्तयाब, परिजनों को सौंपा

अनूपपुर। चचाई थाना क्षेत्र से तीन दिन पूर्व लापता हुई किशोरी को पुलिस ने दस्तयाब करते हुए उसके परिजनों को सुपुर्द किया है। थाना प्रभारी राकेश कुमार उइके ने बताया कि 8 अप्रैल को नाबालिक के पिता ने चचाई थाना में रिपोर्ट किया कि उनकी लडक़ी 7 अप्रैल की सुबह 8 बजे बिना बताए कहीं चली गई है। रिपोर्ट पर थाना चचाई में धारा137(2) बीएनएस का कायम कर विवेचना की गई। 12 अप्रैल को अपहृता/गुमशुदा को श्रीवास्तव मोड़ अमलाई शहडोल से दस्तयाब कर सुरक्षित परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर रहेगा सार्वजनिक अवकाश

अनूपपुर। सामान्य प्रशासन विभाग ने 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में मध्यप्रदेश में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। प्रदेश सरकार द्वारा यह अवकाश निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेन्ट्स एक्ट के तहत घोषित किया गया है।

जीजा-साला के बीच मारपीट, थाना पहुंचा मामला

कोतमा। कोतमा थाना अंतर्गत जीजा के द्वारा अपने ही सगे साला के साथ गाली गलौज कर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। जामगांव निवासी संतोष ने थाने में अपने जीजा नीलमन के खिलाफ विवाद करते हुए गाली गलौज कर मारपीट किए जाने को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस के द्वारा शिकायत पर जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार दोनों के बीच पिछले कुछ दिनों से अन-बन चल रही है जिसको लेकर विवाद बना हुआ है।

खनिज विभाग के हिस्से लक्ष्य में 77 फीसदी राजस्व, 357.40 करोड़ में 277.353 करोड़ की वसूली

अनूपपुर। जिले में खनिज विभाग ने तय वार्षिक लक्ष्य में इस वर्ष 77 फीसदी राजस्व प्राप्त किया है। शासन द्वारा दिए गए वार्षिक लक्ष्य 357.40 करोड़ में 277.353 करोड़ की वसूली की है। वहीं खनिजों के अवैध उत्खनन, अवैध परिवहन एवं अवैध भंडारण के कुल 280 प्रकरण दर्ज करते हुए 250 वाहन भी जब्त किए गए हैं। इनमें दर्ज प्रकरणों में न्यायालय कलेक्टर अनूपपुर द्वारा अर्थदंड की राशि 41 लाख 88 हजार 716 रुपए की वसूली की गई है। दरअसल उप संचालक खनि विभाग ने जानकारी दी है कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) अनूपपुर अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए शासन द्वारा खनिज राजस्व लक्ष्य 357.40 करोड़ रुपए निर्धारित किया गया था। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य के विरूद्व 277.353 करोड़ रुपए की प्राप्ति की गई है। जिसमें से मुख्य शीर्ष 0853 अंतर्गत राशि 228.08 करोड़ रुपए एवं ग्रामीण अवसंरचना शीर्ष 0035 अंतर्गत 49.27 करोड़ निर्धारित लक्ष्य से कुल 77 प्रतिशत राजस्व प्राप्त हुआ है। साथ ही खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भण्डारण पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 में खनिजों के अवैध उत्खनन, अवैध परिवहन एवं अवैध भण्डारण के कुल 280 प्रकरण दर्ज किए जाकर 250 वाहन जब्त किए गए हैं।

जन अभियान परिषद द्वारा बांधा गया झिरिया नाला

उमरिया। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में अपनी मिट्टी अपना जल आओ बनाये बेहतर कल की थीम पर जिले भर में 200 स्थानों पर बोरी बंधान किया जाना है।अपनी मिट्टी, अपना जल नवाचार के तहत पाली विकास खंड के घुनघुटी ग्राम पंचायत के झिरिया नाला में बोरी बंधान का काम किया गया । एसडीएम पाली ने कहा कि अपनी मिट्टी अपना जल नवाचार के तहत जिले भर की ग्राम पंचायतों मे ग्रामीणों, स्वयं सेवी संस्थाओं, समाजसेवियों, शासकीय सेवको के सहयोग से नदियो में बोरी बंधान किया जा रहा है । जल केवल जीवन जीने का संसाधन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति में यह एक संस्कार की तरह है। हर बूंद में जीवन है, और हर स्रोत में आने वाले कल का भविष्य छिपा है। ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि हम इस अमूल्य धरोहर की हर संभव तरीके से रक्षा करें।कार्यक्रम में एसडीएम पाली अम्बिकेश प्रताप सिंह , तहसीलदार पाली डीलन सिंह मरावी, कुंवर कन्हाई मुख्य कार्यपालन अधिकारी पाली, रवीन्द्र शुक्ला जिला समन्वयक जन अभियान परिषद उमरिया, पुष्पा तेकाम ब्लाक समन्वयक पाली,शशि साहू परामर्श दाता, कौशलेश सूर्यवंशी, नवांकुर संस्था सचिव चंद्रकांत शिवहरे, रजनी सिंह अंजनी कुमार चंनपुरिया,पतरू राम भगत, उपयंत्री विजय सिंह उइके, हिमांशु जयसवाल उपयंत्री, इब्राहिम नोवानी, गणेश द्विवेदी, अभिषेक पाण्डेय, सिरवतिया बैगा सरपंच घुनघुटी,नयन सिंह सचिव, जीवन बैगा पूर्व सरपंच,सतीश यादव आदि अधिकारी, कर्मचारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे ।

12305 किसानों ने कराया पंजीयन

उमरिया । जिला आपूर्ति अधिकारी बी एस परिहार ने बताया कि जिले में गेहूं विक्रय हेतु कुल 12305 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। जिसमें मानपुर के 7632 किसान, चंदिया के 1631 किसान, बिलासपुर के 1122 किसान, पाली के 505 किसान, बांधवगढ़ के 496 किसान, करकेली के 477 किसान तथा नौरोजाबाद के 442 किसान शामिल है ।

कदमटोला में जल जीवन मिशन की एक ट्रांसफार्मर के कारण सूख रही ग्रामीणों की उम्मीदें, प्यास से तड़प रहे ग्रामीण

विडंम्बना: वेबसाइट में कदमटोला में पहुंच रहा नल से जल, घरों में लगी टोंटी से नहीं टपक रहा एक बूंद पानी

विजय मत, अनूपपुर।

जिले का जलस्तर प्रत्येक साल नीचे उतर रहा है, जिसके कारण प्रशासन गर्मी की दस्तक के साथ ही जिले को जलसंकट ग्रस्त घोषित कर नलकूप खोदने के साथ कुंए की खुदाई, नदी, तालाबों से पानी के दैनिक कार्यो के अलावा अन्य उपयोग पर प्रतिबंध लगा दे रही है। वहीं जल संसाधन विभाग के साथ लोक स्वास्थ्य ग्रामीण यांत्रिकी विभाग को जल संकट प्रभावित स्थानों पर जलापूर्ति की व्यवस्था बनाने के साथ जलमिशन से जुड़ी परियोजनाओं को पूर्ण करने व दुरूस्त करने के निर्देश देती है। बावजूद अनूपपुर में गर्मी के सीजन में सूरज जब आग बरसाती है, तब शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण इलाकों में पेयजल के लिए परेशानी बन आती है। इसमें ग्रामीणों खासकर पहाड़ी इलाके व कॉलरी क्षेत्रों के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। लेकिन अगर पानी मौजूद हो, व्यवस्थाओं को बनाने सिस्टम भी हो और फिर गांव प्यासा रह जाए तो इसे क्या कहेंगे।

जी हां हम बात कर रहे हैं ग्राम पंचायत कदमटोला की। जहां जल जीवन मिशन को लाया तो गया, लेकिन उसे जीवन नहीं दिया जा सका। परिणाम स्वरूप बिजली की एक ट्रांसफार्मर की स्वाहा होने के साथ मिशन की सांसे भी थम गई।

दरअसल 2022-23 में जल जीवन मिशन के अंतर्गत दो मजबूत भूमिगत जल स्त्रोत खोजे गए। और यहां दो बोरवेल्स तैयार किए गए। दोनों जगहों पर ट्रांसफार्मर भी लगाए गए, ताकि मोटर चले और पानी हर घर तक पहुंचे। लेकिन योजना की शुरुआत के साथ ही एक ट्रांसफार्मर खराब हो गया। एक ही बोरवेल के भरोसे पूरा गांव चला, लेकिन वो भी पूरी तरह नहीं। सिर्फ कदमटोला के कुछ हिस्सों को दो से तीन दिन छोडक़र पानी नसीब होता है। शेष ग्राम पंचायत कदमटोला के गांव, वहां तो नल सूखे हैं, और कुछ जगह तो नल की पाइपलाइन का ही विस्तार नहीं किया गया है। जिसके कारण बरटोला, बोकराही, पाठटोला जैसे इलाकों में आज तक जल जीवन मिशन की एक बूंद पानी नहीं पहुंची है। खास बात यह है कि पाठटोला जैसे टोले में बैगा समुदाय की बहुलता है, जो पहले ही कई सुविधाओं से वंचित हैं।

कागजों में नलजल चालू, शिकायतों के बाद भी मौन विभाग

जहां कदमटोला पंचायत में पानी की समस्या से ग्रामीण परेशान हैं, वहीं सरकार की वेबसाइटों पर कदमटोला पंचायत के सभी हिस्सों में नल से जल पहुंच रहा है दिखाया जा रहा है। कागजी दावा मानों जिला प्रशासन को यह बताने का प्रयास कर रहा है कि साहब हाथ कंगन को आरसी क्या, पढ़े लिखों को फारसी क्या? मतलब कागजी आंकड़ों के सामने मौखिक सूचना झूठ? पंचायत सचिव द्वारा कई बार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अनूपपुर के अनुविभागीय अधिकारी को पत्र लिख चुके हैं। जिसमें बार-बार निवेदन किया गया है कि एक नया ट्रांसफार्मर लगाया जाए, ताकि दोनों बोरवेल चालू हो सकें। लेकिन अफसरों की चुप्पी और लापरवाही आज तक जस की तस है।

सागर में रहकर भी प्यासा, ट्रांसफार्मर की कमी में कबाड़ हो रहे संसाधन

ग्रामीणों का कहना है कि गांव के पास पर्याप्त पानी है, तकनीकी व्यवस्था भी है। सिर्फ एक ट्रांसफार्मर की कमी है। बावजूद विभाग ने पूरी व्यवस्था को जाम कर रखा है। और यह कोई असंभव मांग नहीं है। बस एक ट्रांसफार्मर बदलना है। लेकिन प्रशासन की सुस्ती ने इस छोटी सी मांग को बड़ी पीड़ा में बदल दिया है। कदमटोला के बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग सब प्यासे हैं। उनके होंठ सूख रहे हैं, लेकिन सरकारी कागज़ों में उनका गला तर बताया जा रहा है। अब गांववालों के सब्र का बांध टूटने लगा है। लोग आंदोलन की सोचने लगे हैं।

जुआ फड़ पर पुलिस की कार्रवाई, पांच बाइक सहित 1.69 लाख का मशरूका जब्त

विजय मत, अनूपपुर।

रामनगर पुलिस ने जंगल में संजे जुआ फड पर छापामार कार्रवाई करते हुए पांच जुआडियों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से पुलिस ने 1050 रुपए के साथ पांच बाइक सहित 1,69,050 रुपए का मशरूका जब्त किया है। पुलिस ने सभी जुआडिय़ों के खिलाफ धारा 13 जुआ एक्ट का कायम किया है। थाना प्रभारी सुमित कौशिक ने बताया कि हाल के दिनों में अवैध गतिविधियों खासकर जुआ सट्टा पर प्रभावी कार्रवाई को लेकर पुलिस अधीक्षक द्वारा आदेशित किया गया था, जिस पर 11 अप्रैल को कस्वा देहात भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की 7-8 मैग्जीन के बगल से आम रोड़ किनारे बिजली के खम्भे की रोशनी में कुछ जुआडिय़ों द्वारा ताश के पत्ते से

रूपए पैसों का दाव लगाकर हार-जीत का जुआ खेल रहे है। सूचना पर सम्बंधित स्थान पर छापामार कार्रवाई की गई जहां जुआड़ी पुलिस को देखकर अंधेरे का फायदा उठाकर जगल तरफ भाग गए। जुआ फड़ से कुल नगद 1050 रूपए तथा तास के 52 पत्ते पाए गए। वहीं फरार आरोपी की 5 नग बाइक एमपी 65 जेडए 7199 कीमत 30 हजार रुपए, एमपी18 एफ 9892 कीमत 18 हजार रुपए, एमपी 65 जेडसी 1782 कीमत 35 हजार रुपए, अन्य बाइक 40 हजार रुपए तथा एमपी 65 एमई 9255 कीमत 45 हजार रुपए सहित 1 लाख 68 हजार रूपए और नगद 1050 सहित कुल1 लाख 69 हजार 50 रुपए मशरूका जब्त किया गया है। मौके से फरार जुआडियों की तलाश की जा रही है।

किशोरी हुई लापता, परिजनों ने थाने में दर्ज कराई गुमशुदगी

कोतमा। कोतमा थाना अंतर्गत चंगेरी गांव से 16 वर्षीय किशोरी के अज्ञात आरोपी द्वारा अपहरण की आशंका को लेकर परिजनों द्वारा थाने में मामला दर्ज कराया गया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 137(2) बीनएस के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई कर रही है। बताया जाता है कि 16 वर्ष 11 माह की किशोरी जो कि अपने घर से अचानक बिना बताए कहीं चली गई। परिजनों द्वारा जिसकी तलाश में पास पड़ोस, रिश्तेदार एवं अन्य संभावित जगहों में पता तलाश किए जाने के बाद भी न मिलने पर थाने में अपहरण की आशंका को लेकर केस दर्ज कराया गया। पुलिस के द्वारा किशोरी की तलाश में टीम गठित कर तलाश में जुट गई है।

अज्ञात कारणों में बैंक शाखा में लगी आग, दमकल ने दो घंटे में पाया काबू

शाखा की दस्तावेज सहित अन्य सामग्री हुई खाक, जांच में जुटी पुलिस

विजय मत, अनूपपुर।

अनूपपुर। जिला मुख्यालय अनूपपुर स्थित अनूपपुर-जैतहरी मार्ग पर तहसील कार्यालय के सामने एचडीएफसी बैंक शाखा अनूपपुर में रविवार की सुबह अचानक आग भडक़ गई, जहां देखते ही देखते शाखा के शटर, वेंटीलेटर विंडो से काले धुंए की गुबार निकलने लगी। आग की आशंका को देखते हुए स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना नगरपालिका फायरब्रिगेड सहित कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर नगरपालिका अनूपपुर और जैतहरी की दो दमकल वाहन मौके पर पहुंची, वहीं एसडीओपी अनूपपुर, कोतवाली अमला, बिजली विभाग, नगरपालिका सहित बैंक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। जिसके बाद दमकलकर्मियों ने पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया। लेकिन इस दौरान दमकल कर्मियों को दो

घंटे से अधिक का समय लग गया। बैंक शाखा में हुई अग्निकांड की घटना में बैंक के दस्तावेज सहित फर्नीचर सामग्री व अन्य सामान जलकर खाक हो गए। घटना सुबह 7 बजे की बताई जा रही है जो आग बुझाने तक 9.30 बजे चली। हालांकि इस दौरान आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो सके। बैंक अधिकारियों ने भी आग के कारण अज्ञात बताए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। उल्लेखनीय है कि एचडीएफसी बैंक शाखा से सटे ही एक्सिस बैंक की शाखा तो दूसरी ओर मारूति शोरूम व वर्कशॉप की दुकान है।

बुढानपुर के किसान के घर लगी आग, घर की गृहस्थी जलकर हुआ खाक

विजय मत, कोतमा।

कोतमा में गर्मी का तापमान जैसे जैसे बढ़ रहा है, आगजनी की घटनाएं भी लगातार सामने आने लगी हैं। रविवार की सुबह नगर के समीप गांव बुढ़ानपुर में रहने वाले कृषक प्रेमलाल प्रजापति के घर में अचानक आग लगने से घर की छानी, धान, जरूरी दस्तावेज, लकड़ी सहित अन्य घरेलू सामग्री जलकर स्वाहा हो गया। आग लगने से लगभग 50 हजार रुपए के नुकसान की आशंका बताई जा रही है। सूचना पर नगर पालिका के फायर ब्रिगेड अमला एवं स्थानीय लोगों की मदद से दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। बताया जाता है कि प्रेमलाल के घर के समीप ही कुछ कचड़ा जलाया जा रहा था, इस दौरान तेज हवा चलने से आग की लपटे प्रेमलाल के घर तक पहुंच गई और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण करते हुए घर की

छानी, धान सहित अन्य सामग्री को जला दिया। आग की खबर के बाद गांव में सनसनी फैल गई और भारी भीड़ एकत्र हो गई। लोगों द्वारा आसपास के हैंडपंप व घरों से पानी लाकर आग बुझाने का प्रयास किया गया। वहीं घटना की सूचना स्थानीय पुलिस व राजस्व अधिकारी को दिए जाने की तैयारी की जा रही थी।

पोषण अभियान अंतर्गत सातवां पोषण पखवाड़ा 22 अप्रैल तक चलाया जाएगा

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से कुपोषण को कम करने के लिए पोषण अभियान का क्रियान्वयन 8 अप्रैल से 22 अप्रैल तक किया जाएगा । उन्होने बताया कि 8 अप्रैल को जीवन के प्रथम 1000 दिवस पर केन्द्रित गतिविधियों की थीम पर प्रभात फेरी , गोदभराई, गर्भवती महिला की पोषण थाली का प्रदर्शन, गर्भास्था के दौरान आयरन एवं कैल्शियम की दवाओ के सेवन की उपयोगिता पर चर्चा, हितग्राहियों को साप्ताहिक टेकहोम राशन का वितरण, ग्राम स्वा0 स्वच्छता एवं पोषण दिवस का आयोजन, सभी गर्भवती महिलाओं का वजन एवं उंचाई माप कर पोषण ट्रैकर में प्रविष्टि, एएनएम के सहयोग से हिमोग्लोबिन की जांच एवं पोषण ट्रैकर मे प्रविष्टि, शिशु एवं माताओ में संक्रमण रोकने हेतु स्वच्छता पर चर्चा की गई ।

उरांव आदिवासी समुदाय का सरहुल महोत्सव सम्पन्न

विजय मत, उमरिया।

जिला मुख्यालय स्थित सगरा मंदिर के सामुदायिक भवन में उरांव जनजाति समुदाय का सरहुल पर्व आयोजित किया गया जिसमे उमरिया कटनी, अनूपपुर एवं शहडोल के उरांव जनजाति समुदाय के लोगों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया । कार्यक्रम की शुरुआत पिपलेश्वर शिव धाम में भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर की गई। उरांव जनजातीय समुदाय ने अपने परम्परागत तरीके के साल के वृक्ष की पूजा की और आगामी साल भर के लिए खुशहाली की कामना की ,जिसके बाद सामुदायिक भवन में जनजातीय समुदाय का सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनजाति समुदाय के पुरुष एवं महिलाओं ने अपने पारंपरिक वेष भूषा में पारंपरिक वाद्य यंत्र मादर के साथ अपने सामाजिक नृत्य और गीत संगीत की प्रस्तुति दी । कार्यक्रम में उरांव समाज शहडोल के अध्यक्ष देवनारायण तिर्की, उमरिया अध्यक्ष मोहर साय भगत, सचिव अजय भगत, उपाध्यक्ष ममता भगत, महिला संगठन अध्यक्ष संजीता भगत , एसडीएम उमरिया कमलेश राम नीरज सहित जनजातीय समुदाय के काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सरहुल त्यौहार जनजातियों के लिए एक महत्वपूर्ण त्यौहार है, खासकर उरांव जनजाति के लिए। उरांव जनजाति प्रकृति की पूजा करती है और सरहुल त्यौहार के दौरान वे साल के पेड़ की सूज्ञ करते हैं। यह पर्व चौत्र मास शुक्ल पक्ष में प्रतिपदा (एक्ति) से लेकर पूर्णिमा तक अपनी सुविधानुसार नव वर्ष के आगमन पर अपने घर परिवार स्वजन तथा गांव देश सबकी खुशहाली एवं सुख समृद्धि की कामना करते हुए साल के पेड के पास हमारे प्रत्यक्ष देवों के जो हम सीधे तौर से पालित पोषित एवं संरक्षित हैं जो हमारे वातावरण में विद्यमान सूर्य, चन्द्र, नदी, तालाब, जंगल, और धरती माता की पूजा करते है।

सफलता — तीन दिन पूर्व रिचार्ज के बहाने दुकान की थी रैकी, दुकान के अंदर नाबालिग ने घुसकर मात्र 7 मिनट में चोरी की वारदात को दिया था अंजाम

लाखों की चोरी मामले में दो नाबालिक सहित मुख्य आरोपी गिरफ्तार

विजय मत, अनूपपुर।

भालूमाड़ा। आखिरकार भालूमाड़ा पुलिस ने थाना क्षेत्र के मोबाइल शॉप में हुई लाखों की चोरी के मामले में रविवार को मास्टर माइंड सहित दो अन्य नाबालिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गए सामानों की बरामदगी की है। गिरफ्तार हुए सभी आरोपियों को न्यायालय पेश किया गया है। थाना प्रभारी संजय खलको ने चोरी हुए मामले का खुलासा करते हुए बताया कि फरियादी 41 वर्षीय अजय कुमार जायसवाल वार्ड नम्बर 9 पीली दफाई भालूमाड़ा ने 10 अप्रैल को रिपोर्ट दर्ज कराया कि 9-10 अप्रैल की मध्यरात्रि में भालूमाड़ा में स्थित मोबाइल दुकान की छत तोडक़र मोबाइल फोन, टेबलेट, ईयर बट्स को चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट किया था। रिपोर्ट पर अज्ञात के खिलाफ धारा 331(4),305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना में अज्ञात चोरों की तलाश में सीसीटीवी व साइबर सेल की मदद से 48 घंटे के अंदर नाबालिक आरोपी 16 वर्षीय प्रांसी कुमार पिता सुमित

लालपुरी(परिवर्तित नाम)निवासी भालूमाडा के कब्जे से 7 नग मोबाईल फोन कीमत 355597 रुपए, अन्य नाबालिक आरोप 17 वर्ष 10 माह का आरोपी सुजाला कुमार पिता अजीत कुमार (परिवर्तित नाम)निवासी भालूमाडा के कब्जे से 5 नग मोबाईल फोन कुल कीमत 282398 रुपए एवं मास्टर माइंड आरोपी 29 वर्षीय अनीश कुमार पिता अशोक कुमार निवासी वार्ड क्रमांक 10 दफाई नम्बर 32 भालूमाडा के कब्जे से 7 नग मोबाईल फोन, 1 नग टैबलेट,1 ईयर बट्स, 1 नग घड़ी कुल कीमत 411396 रुपए सहित कुल कीमत 10 लाख 49 हजार 391 रुपए को आरोपियों के कब्जे से बरामद किया गया।

रिचार्ज के बहाने दुकान की थी रैकी, फिर 7 मिनट में कर डाली चोरी

थाना प्रभारी के अनुसार आरोपियों से पूछताछ में यह बात सामने आई कि सबसे पहले तीनों ने दुकान की रैकी की थी। जिसमें सबसे छोटा नाबालिग 3 दिन पूर्व मोबाइल रिचार्ज के बहाने दुकान पहुंचा था, तथा वहां एप्पल मोबाइल सहित अन्य कीमती मोबाइल व सीसीटीवी कैमरे का लोकेशन ट्रेस किया था। इसके बाद चोरी की योजना पर काम करते हुए रात्रि में मोबाईल दुकान की उपर की सीट को काटकर दुकान के अंदर प्रवेश कर मोबाईलों की चोरी की थी। यहां भी सबसे छोटा आरोपी दुकान के अंदर घुसा था, जिसने मात्र 7 मिनट में दुकान के अंदर रखे कीमती मोबाइलों व अन्य सामानों को चुरा ले गया था। हालांकि पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर आईफोन एप्पल कम्पनी का मोबाईल फोन 11 नग, अन्य कम्पनी की मोबाइल 06 नग, नथिंग कम्पनी का मोबाईल फोन 1 नग, वन प्लस कम्पनी का मोबाईल फोन 1 नग, सैमसंग कम्पनी का टेबलेट 1 नग, ईयर बट्स 1 नग, बोट कम्पनी का स्मार्ट वाच 1 नग कुल कीमत 1049391 रुपए जब्त किए हैं।

पुलिस रिमांड की तैयारी, मास्टर माइंड से होगी पूछताछ

बताया जाता है कि आरोपियों को न्यायालय पेश के साथ ही पुलिस ने रिमांड के लिए आवेदन लगाया है, जिसमें संभावना है कि नाबालिकों की रिमांड पुलिस को न मिले, लेकिन मुख्य मास्टर माइंड आरोपी है उसकी रिमांड अवश्य मिलेगी। पुलिस का कहना है कि मास्टर माइंड से चोरी में उपयोग किए गए बाइक की बरामदगी के साथ अन्य मामलों में पूछताछ की जाएगी। फिलहाल पुलिस पीआर के इंतजार में है।

ला लिगा फुटबॉल

स्पेन में ला लिगा फुटबॉल में खेलते हुए खेलते हुए बार्सिलोना के पैड्री।

आईपीएल में आज होगा लखनऊ सुपरजायंट्स और सीएसके में मुकाबला

लखनऊ, एजेंसी

आईपीएल में सोमवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से मुकाबला करेगी। इस मैच में सुपरजायंट्स का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान में जीत हासिल कर अंक तालिका में ऊपर आने के साथ ही जीत की लय बनाये रखना रहेगा। वहीं दूसरी ओर इस सत्र में लगातार खराब प्रदर्शन के कारण अंक तालिका में अंतिम स्थान पर चल रही सीएसके की टीम को कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी जीत दिला पाते हैं या नहीं ये देखना होगा।

सीएसके की टीम पिछले पांच मैच लगातार हारी है। यहां तक कि अपने घरेलू मैदान में भी उसे तीन मैच में हार मिली है। टीम के नियमित कप्तान रुतुराज गायकवाड़ चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से ही बाहर हो गये हैं।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपर जाइंट्स टीम- ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मारक्रम, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्जके, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), मिचेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, शार्दुल ठाकुर, आवेश खान, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, शमर जोसेफ, प्रिंस यादव, मयंक यादव, रवि बिश्नोई।

चेन्नई सुपर किंग्स- महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), रविंद्र जडेजा, शिवम दूबे, मथीशा पथिराना, नूर अहमद, रविचंद्रन अश्विन, डेवोन कॉनवे, सैयद खलील अहमद, रचिन रविंद्र, राहुल त्रिपाठी, विजय शंकर, सैम करन, शेख राशिद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, दीपक हुड्डा, गुरजनप्रीत सिंह, नाथन एलिस, जेमी ओवरटन, कमलेश नागरकोटी, रामकृष्णन घोष, श्रेयस गोपाल, वंश बेदी, आंद्रे सिद्धार्थ।

ऐसे में धोनी को एक बार फिर कप्तानी की जिम्मेदारी मिली है। कप्तान के तौर पर धोनी की राह आसान नहीं है। टीम के अधिकतर खिलाड़ी फार्म में नहीं हैं और उनका मनोबल भी गिर है।

वहीं मेजबान टीम लखनऊ सुपर जायंट्स लगातार चौथी जीत का प्रयास करेगी। उसने पिछले मैच में अच्छी जीत दर्ज की थी जिससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके गेंदबाज आवेश खान, रवि बिश्नोई और शार्दुल ठाकुर ने अच्छी गेंदबाजी की है। पिछले मैच में मिचेल मार्श के नहीं होने पर कप्तान ऋषभ पंत एडेन मारक्रम के साथ पारी की शुरुआत के लिए उतरे थे। अब देखना होगा कि वह इस मैच में भी मार्श की वापसी के बाद शीर्ष क्रम में ही उतरते हैं या अपने तय नंबर पर उतरेंगे।

पिच की बात करें तो यहां के स्टेडियम की पिच धीमी होने के कारण बल्लेबाजी के लिए बेहतर रही है। ऐसे में निकोलस पूरन जैसे आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना सीएसके के गेंदबाजों के लिए आसान नहीं होगा। यहां की पिच बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों के लिए ही अच्छी मानी जाती है। दूसरी ओर सीएसके की बल्लेबाजी रचिन रविंद्र, शिवम दुबे , डेवोन कॉनवे जैसे खिलाड़ियों पर अधारित रहेगी। धोनी अभी तक निचले क्रम पर ही उतरे है और आगे भी उनके इसी प्रकार उतरने की संभावना है। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में लखनऊ का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि सीएसके की ओर से इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाने वाले रुतुराज गायकवाड़ कोहनी में फ्रैक्चर के कारण पूरे टूर्नामेंट से ही बाहर हो गये हैं।

खराब फार्म के दौरान युवराज और सूर्यकुमार से सलाह ले रहा था: अभिषेक

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ 55 गेंदों में ही 141 रनों की तूफानी पारी खेलकर अपना फार्म हासिल किया है। इस मैच में अभिषेक की पारी से सनराइजर्स को शानदार जीत मिली है। आईपीएल के इस सत्र में ये पहली बार है जब अभिषेक ने अच्छी पारी खेली है। इस सत्र के शुरुआती मैचों में वह असफल रहे थे। अभिषेक ने कहा है कि जब वह रन नहीं बना पा रहे थे तो इस दौरान उन्होंने अपने मेंटर युवराज सिंह के अलावा सूर्यकुमार यादव से भी बात की थी। अभिषेक की आक्रामक पारी से ही हैदराबाद की टीम पंजाब किंग्स से मिले 246 रनों के लक्ष्य को हासिल करने में सफल रही। मैच में धमाकेदार पारी खेलने के बाद अभिषेक ने कहा, ÷यह जीत बहुत विषेष है क्योंकि मैं हार के सिलसिले को तोड़ना चाहता था।

चेन्नई सुपर किंग्स के खेल में आत्मविश्वास की कमी: माइकल क्लार्क

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है। लगातार हार झेलने के बाद अब टीम के प्लेऑफ में पहुंचने पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली आठ विकेट की करारी हार के बाद चेन्नई ने अपने घरेलू मैदान पर सबसे कम स्कोर बनाया और यह उसकी छह मैचों में पांचवीं हार रही। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने टीम के हालिया प्रदर्शन पर अपनी राय रखी है।

क्लार्क ने एक चैनल पर विशेषज्ञ के रूप में कहा कि चेन्नई आत्मविश्वास की कमी से जूझ रही है और मेरा मानना है कि टीम मौजूदा दौर की क्रिकेट की मांग के अनुरूप नहीं खेल रही। क्लार्क ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ गलत योजना के साथ मैदान में उतरने की गलती की। पिच बल्लेबाजी के लिए कठिन थी, नई गेंद से हल्की हरकत हो रही थी और स्पिन भी मिल रही थी, लेकिन सीएसके का रवैया बेहद रक्षात्मक

नजर आया।

क्लार्क ने टीम की मानसिकता पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि चेन्नई अब सिर्फ हार को कम करने या मैच को खींचने की कोशिश में लगी है। इस सोच से बाहर निकलने की जरूरत है। क्लार्क के मुताबिक, टीम को अब सब कुछ दांव पर लगाकर आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहिए। उन्होंने माना कि लगातार हारने के बाद ड्रेसिंग रूम का माहौल नकारात्मक हो जाता है और वहां से बाहर निकलना आसान नहीं होता। चेन्नई के लिए अब जरूरी है कि वह न केवल रणनीति बदले, बल्कि मानसिकता में भी बड़ा बदलाव लाए।

श्रेयस ने हार का कारण कमजोर गेंदबाजी को बताया

हैदराबाद। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार के बाद कहा कि उनकी टीम की गेंदबाजी उम्मीद के अनुरुप नहीं रही। ऐसे में उन्हें इस क्षेत्र में

काम करना पड़ेगा। इस मैच में पंजाब ने श्रेयस के 82 रनों की सहायता से 245 रनों का शानदार स्कोरी बनाया था पर इसके बाद भी उसे हार का सामना करना पड़ा। पंजाब किंग्स ने आईपीएल इतिहास में पांचवीं बार 230 से ज्यादा का स्कोर बनाया था पर ये पहली बार हुआ है जब वह हार गई। इससे पहले पंजाब की टीम जब भी 230 रनों तक पहुंची है जीती है। मैच हारने के बाद पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि यह एक शानदार स्कोर था। इसके बाद भी मैच इसलिए हमारे हाथ से निकल गया क्योंकि कुछ कैच हमारे हाथ से फिसल गये हालांकि अभिषेक भाग्यशाली रहे। उनकी बल्लेबाजी असाधारण थी। वहीं ये भी सही है कि हम अपनी उम्मीदों के अनुसार गेंदबाजी नहीं कर पाये। श्रेयस ने कहा कि विरोधी बल्लेबाजों ने हमें कोई अवसर नहीं दिय। हम अपनी ओर से गेंदबाजी में अधिक बदलाव नहीं कर पाये। फर्ग्यूसन की चोट से भी हमें नुकसान हुआ।

पिछले पांच मैचों से एक पर्ची लेकर घूम रहा था अभिषेक: हेड

हैदराबाद, एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने कहा है कि उनका जोड़ीदारी अभिषेक शर्मा पिछले पांच मैचों से एक पर्ची लेकर घूम रहा था। वहीं अभिषेक ने शतक लगाने के बाद जेब से ये पर्ची निकालकर दर्शकों को दिखाई जिसपर उन्होंने टीम के लिए विशेष संदेश लिखा था। इसे प्रशंसकों ने काफी पसंद किया है। इसी को लेकर हेड ने कहा कि अभिषेक पहले ही इसके लिए तैयार थे। अब छठे मैच में उनका शतक बना है। वह शुरुआत से ही अपनी जेब में ही यह पर्ची रखकर घूम रहे थे। मालूम हो कि सनराइजर्स हैदराबाद के प्रशंसक ऑरेंज आर्मी से जाने जाते हैं। पिछले कुछ सीजन से इस फ्रेंचाइजी ने अपने शानदार खेल से लाखों प्रशंसकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। यही वजह है जब भी हैदराबाद की टीम अपने घरेलू मैदान पर उतरती है तो वहां ऑरेंज आर्मी का सैलाब देखने को मिलता है।

यहां तक पंजाब किंग्स की मालकिन प्रिटी जिंटा ने भी इस पारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये विशेष पारी थी। अभिषेक और हेड इस मैच से पहले बड़ी साझेदारियां नहीं बना पाये थे। इन दोनो की सबसे तेज 100 रन की साझेदारी। साल 2024 में लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ 30 गेंदों में आई थी। वहीं दूसरी सबसे तेज 100 रन की साझेदारी साल 2024 में ही 34 गेंदों में आई थी।

बिजनेस

सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दामों में हुआ सुधार

पिछले सप्ताह बाजार में तेलों के दामों में उतार-चढ़ाव रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

हाल ही में बाजार में तेलों के दामों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। पिछले सप्ताह ऊंचे दाम पर लिवाली प्रभावित रहने से कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के दाम गिरावट दर्शाते बंद हुए। साथ ही, मंडियों में किसानों की ओर से आवक कम लाने के कारण सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन तथा बिनौला तेल के भाव सुधार के साथ बंद हुए हैं। बीते हफ्ते में आप ने देखा होगा कि सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दामों में सुधार हुआ है। इसके पीछे का कारण थी अप्रैल महीने में किसानों के आवक में कमी और चीन से सरसों डीओसी की मांग। किसानों की ओर से आवक कम लाने के कारण सरसों, सोयाबीन और मूंगफली तेल-तिलहन के भाव सुधार के साथ बंद हो गए हैं। इससे उन्हें नुकसान हो सकता है और उन्हें उचित दाम नहीं मिल सकता। सरकार को इसे सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने होंगे। इस तरह, बाजार में तेलों के दामों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 175 रुपये के सुधार के साथ 6,375-6,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 350 रुपये

के सुधार के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये सुधरकर क्रमशः 2,380-2,480 रुपये और 2,380-2,505 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 225-225 रुपये सुधार के साथ क्रमशः 4,625-4,675 रुपये और 4,325-4,375 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 300 रुपये, 250 रुपये और 175 रुपये मजबूत होकर क्रमशः 13,700 रुपये, 13,400 रुपये और 9,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 50 रुपये के सुधार के साथ 5,750-6,125 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 50 रुपये और 15 रुपये सुधरकर क्रमशः 14,250 रुपये और 2,250-2,550 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। दूसरी ओर, कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,050 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 12,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।सुधार के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 200 रुपये मजबूत होकर 13,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

रिजर्व बैंक खरीदेगा 40,000 करोड़ के सरकारी बॉन्ड

2028 और 2039 के बीच मैच्योर होने वाले बांड शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि वह 17 अप्रैल को 40,000 करोड़ रुपए के सरकारी बॉन्ड ओपन मार्केट ऑपरेशन (ओएमओ) के जरिए खरीदेगा। इसका मुख्य उद्देश्य है वित्तीय अर्थव्यवस्था में बढ़ती हुई लिक्विडिटी को संभालना। रिजर्व बैंक द्वारा खरीदे जाने वाले बॉन्ड मल्टीपुल विपरीतों के बीच से 2028 और 2039 में मैच्योर किए गए हैं। यह कदम आरबीआई के सिस्टम में शामिल होने वाले हाल ही के कदमों का एक और उदाहरण है जो लिक्विडिटी को बढ़ाने के लिए उठाए गए हैं। इसके अलावा, 3 अप्रैल को आयोजित ओएमओ नीलामी में वित्तीय संस्थानों से 2029 और 2039 के बीच मैच्योर किए गए बॉन्ड पर 80,820 करोड़ रुपए की पेशकश की गई थी। इसके अतिरिक्त, 8 अप्रैल की नीलामी में 2032 और 2039 के बीच मैच्योर होने वाले बॉन्ड पर 70,144 करोड़ रुपए की पेशकश की गई थी। आगामी 3, 8, 22 और 29 अप्रैल को भी 20,000 करोड़ रुपए की चार बराबर किस्तों में आयोजित की जाएगी। इसके अलावा आरबीआई ने मार्च में भी 50,000 करोड़ रुपए की दो किस्तों में 1 लाख करोड़ रुपए की सरकारी सिक्योरिटीज की ओएमओ खरीद की थी।

टाटा अल्ट्राज रेसर पर मिल रही छूट

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय बाजार में टाटा मोटर्स ने 2024 में अल्ट्राज रेसर को लॉन्च करते हुए इसे एक देसी हॉट हैचबैक के रूप में पेश किया था। यह इंजन 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स से लैस है और अल्ट्राज रेसर को 0 से 100 केएमपीएच की रफ्तार तक महज 11 सेकंड में पहुंचा सकता है।

यह कार अल्ट्राज के रेग्युलर मॉडल पर आधारित है, लेकिन इसमें ज्यादा पावरफुल 1.2-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 118 बीएचपी और 170 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। कंपनी ने इस स्पोर्टी कार को फ्रंट वेंटिलेटेड सीट्स, सनरूफ, स्पोर्टी एग्जॉस्ट साउंड और 10.25-इंच टचस्क्रीन जैसे फीचर्स के साथ पेश किया था। हालांकि, खरीदारों से इस कार को उम्मीद के मुताबिक रिस्पॉन्स नहीं मिला और इसकी सेल्स कंपनी की अपेक्षाओं से काफी कम रही। अब टाटा मोटर्स अल्ट्राज रेसर की बिक्री बढ़ाने के लिए इस पर भारी छूट दे रही है। रेस ट्रैक पर इसके शानदार ड्राइविंग डायनामिक्स इसे अपने सेगमेंट की अन्य कारों की तुलना में तेज बनाते हैं।

कंपनी को उम्मीद है कि नई छूट के साथ यह कार ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित कर सकेगी। एमवाय 2024 मॉडल पर कुल 1.35 लाख रुपये तक की छूट मिल रही है, जिसमें 85,000 रुपये का कैश डिस्काउंट और 50,000 रुपये का स्क्रैपेज बोनस या एक्सचेंज ऑफर शामिल है।

टाटा कर्व और कर्व-ईवी के डार्क एडिशन लॉन्च

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने भारतीय बाजार में अपनी लोकप्रिय कूपे एसयूवी टाटा कर्व और कर्व ईवी के डार्क एडिशन लॉन्च कर दिए हैं। दोनों कार को ऑल-ब्लैक थीम के साथ पेश किया गया है। ये लेवल-2 एडवांस ड्राइविंग असिस्ट सिस्टम जैसे सेफ्टी फीचर के साथ आती है। कर्व डार्क एडिशन हायर वैरिएंट अक्म्पलिश्ड एस और अक्म्पलिश्ड प्लस , जिसकी कीमत स्टैंडर्ड वैरिएंट से 32,000 रुपए ज्यादा है। वहीं, कर्व ईवी डार्क एडिशन सिर्फ टॉप स्पेक इम्पावर्ड+ ए वैरिएंट पर बेस्ड है, जिसकी कीमत रेगुलर मॉडल से 25,000 रुपए ज्यादा है।

अमेरिकी-चीन शुल्क युद्ध और कंपनियों के तिमाही नतीजें तय करेंगे बाजार की चाल

- इस सप्ताह में बाजार अमेरिका-चीन शुल्क मोर्चे पर आगे के घटनाक्रमों से प्रभावित होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू शेयर बाजारों की चाल पिछले कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह में अमेरिकी-चीन शुल्क युद्ध से जुड़े घटनाक्रमों तथा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों विप्रो और इन्फोसिस के तिमाही नतीजों से तय होगी। इस प्रकार की राय विश्लेषकों ने जताई है। उन्होंने कहा कि वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी इस सप्ताह बाजार की चाल तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर जयंती के कारण सोमवार को और 'गुड फ्राइडे' के मौके पर शुक्रवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि यह सप्ताह वैश्विक और भारतीय बाजारों के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है, क्योंकि चीन और अमेरिका के बीच व्यापार युद्ध तेज हो गया है और दोनों देश एक-दूसरे पर शुल्क-पर-शुल्क लगा रहे हैं। इससे बाजारों में उथल-पुथल मची हुई है। घरेलू स्तर पर, थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े इस सप्ताह जारी होंगे। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका, ब्रिटेन और चीन के प्रमुख वृहद आर्थिक आंकड़े जारी होने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अप्रैल के पहले सप्ताह में एक बड़ी शुल्क योजना का अनावरण किया था। व्हाइट हाउस ने बाद में चीन को छोड़कर ज्यादातर देशों के लिए 'जवाबी शुल्क' को 90 दिन के लिए रोक दिया है। वहीं चीन ने अमेरिका पर 125 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है। चीन ने अमेरिकी उत्पादों पर अपने अतिरिक्त शुल्क को बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया, जो अमेरिका के 145 प्रतिशत शुल्क के जवाब में था। हालांकि, चीन ने दुनिया की दो शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं के बीच बातचीत के लिए दरवाजा खुला रखा है। बाजार के जानकारों ने कहा कि आगामी छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में बाजार अमेरिका-चीन शुल्क मोर्चे पर आगे के घटनाक्रमों से प्रभावित होगा। कंपनियों के तिमाही नतीजों पर सभी की निगाह रहेगी। सप्ताह के दौरान आईटी क्षेत्र की दिग्गज विप्रो और इन्फोसिस के अलावा निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंकों एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के मार्च तिमाही के नतीजे घोषित होंगे। बीते सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव के बीच स्थानीय बाजार मामूली नुकसान के साथ बंद हुए थे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के एक शोध प्रमुख-संपदा प्रबंधन ने कहा कि हमारा मानना है कि वैश्विक बाजार के रुख, अमेरिकी शुल्क से जुड़े घटनाक्रमों और कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों के बीच स्थानीय बाजारों में उतार-चढ़ाव रहेगा। इसके अलावा बाजार की धारणा रुपया-डॉलर के रुझान और वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड में उतार-चढ़ाव से भी तय होगी।

एफपीआई ने अप्रैल में भारतीय शेयर बाजारों से निकाले 31,575 करोड़

- 21 मार्च से 28 मार्च तक एफपीआई ने शेयरों में 30,927 करोड़ रुपये डाले थे

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल में अब तक भारतीय शेयर बाजारों से 31,575 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले 21 मार्च से 28 मार्च तक छह कारोबारी सत्रों में एफपीआई ने शेयरों में 30,927 करोड़ रुपये डाले थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इस निवेश से मार्च में एफपीआई की कुल निकासी घटकर 3,973 करोड़ रुपये रही है। पिछले महीनों की तुलना में यह स्थिति में उल्लेखनीय सुधार है। फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये निकाले थे, जबकि जनवरी में यह निकासी और भी अधिक यानी 78,027 करोड़ रुपये थी। आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल से 11 अप्रैल के बीच एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 31,575 करोड़ रुपये निकाले हैं। इसके साथ ही, 2025 में अब तक एफपीआई की कुल निकासी 1.48 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। बाजार के जानकारों ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क के बाद वैश्विक शेयर बाजारों में उथल-पुथल भारत में एफपीआई निवेश को भी प्रभावित कर रही है। उनका मानना है कि मौजूदा उथल-पुथल थमने के बाद ही एफपीआई की रणनीति अधिक स्पष्ट हो पाएगी। उन्होंने कहा कि मध्यम अवधि में एफपीआई भारत में खरीदार बन सकते हैं, क्योंकि अमेरिका और चीन दोनों ही मौजूदा व्यापार युद्ध के चलते अपरिहार्य सुस्ती की ओर बढ़ रहे हैं। प्रतिकूल वैश्विक परिदृश्य में भी भारत वित्त वर्ष 2025-26 में छह प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर सकता है। समीक्षाधीन अवधि में शेयरों के अलावा एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड से सामान्य सीमा के तहत 4,077 करोड़ रुपये और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से 6,633 करोड़ रुपये निकाले हैं।

भारत के संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती पर सादर नमन

उद्यमिता की शक्ति लाएगी समृद्धि

डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना

25 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई लगाने के लिए

₹42 लाख तक ऋण सहायता

पात्रता - 3.50 एकड़ कृषि भूमि एवं डेयरी फार्मिंग में प्रशिक्षण

सब्सिडी 25% से 33%

पहले आएं, पहले पाएं पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करें

- **मुख्यमंत्री उद्यमिता कार्यक्रम के अंतर्गत-** पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहन, डेयरी किसानों की आय में वृद्धि और डेयरी क्षेत्र में रोज़गार के नए अवसरों का होगा निर्माण।
- **उन्नत नस्लों से बढ़ेगी आय -** भ्रूण प्रत्यारोपण कार्यक्रम और बांझ निवारण शिविरों के माध्यम से पशुओं की नस्ल सुधारने के कार्यक्रम।
- **मुख्यमंत्री डेयरी प्लस कार्यक्रम -** किसान आधुनिक डेयरी तकनीक और बाजार से जुड़ेंगे।
- **उत्कृष्टता को सम्मान -** प्रदेश की सर्वश्रेष्ठ गौवंशीय और उन्नत नस्ल की दुधारू गायों के लिए पुरस्कार कार्यक्रम।
- एक हितग्राही को अधिकतम आठ इकाइयां लगाने की पात्रता होगी।

प्रदेश में गौ-पालकों और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए "डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना" शुरू की जा रही है। गौ-माता की सेवा हमारी संस्कृति एवं संस्कारों का अहम हिस्सा है। हमने यह वर्ष गौ-माता की सेवा को समर्पित किया है।

प्रदेश में गौ-शालाओं के माध्यम से गौ-सेवा की नई इबारत लिखी जाएगी और नई दुग्ध क्रांति लाई जाएगी। स्वावलंबी गौ-शालाओं की स्थापना नीति-2025 के तहत पंजीकृत गौ-शालाओं के गौ-वंश हेतु अनुदान अब ₹20 से बढ़कर ₹40 प्रति गौवंश प्रति दिवस मिलेगा। हमारा प्रयास है कि दुग्ध उत्पादकों को दुग्ध के बेहतर दाम मिलें, इस दिशा में हम तेजी से प्रयास कर रहे हैं।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

डॉ. भीमराव अम्बेडकर अभ्यारण्य के रूप में सागर जिले में 258.64 वर्ग किमी क्षेत्र में प्रदेश का 25वां अभ्यारण्य घोषित।

वन्य जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए अहम निर्णय।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

D-11011/25